कोटद्वार, बुधवार
10 सितम्बर 2025
वर्षः 47
अंकः 126 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

कक्षा नवीं की छात्रा को घर ले जाकर शारीरिक सम्बंध बनाकर की शादी

रुद्रपुर। शक्तिफार्म क्षेत्र के एक युवक पर कक्षा 9वीं की छात्रा को अपने घर ले जाकर शारीरिक संबंध बनाने के बाद शादी करने का आरोप लगा है। आरोप है कि युवक ने शादी के बाद छात्रा को बाजार में छोड़ दिया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी और उसकी मां के विरुद्ध केस दर्ज किया है। एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि छह सितंबर की सुबह उसकी 14 वर्षीय बेटी किसी काम से बाजार गई थी। आरोप है कि गांव अरविंदनगर निवासी देव मंडल उसकी बेटी को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया। उसे दिन भर यहां–वहां घुमाया और फिर रात में अपने घर ले गया। जहां आरोपी की मां ने दोनों को खाना खिलाया और सोने के लिए एक कमरे में भेज दिया। आरोप लगाया कि उस रात आरोपी युवक ने उसकी बेटी के साथ दो बार शारीरिक संबंध बनाए। आरोप लगाया कि अगले दिन सात सितंबर को युवक की मां दोनों को एक गांव के मंदिर ले गई। वहां दोनों की शादी करा दी। इसके बाद युवक ने उसकी पुत्री को वापस बाजार में छोड़ दिया। इसके बाद वह किसी तरह अपने घर पहुंची और अपने परिजनों को आपबीती बताई। इधर, पुलिस ने छात्रा का मेडिकल परीक्षण कराया है। एसएसआई विक्रम सिंह धामी ने बताया कि मामले में पीड़ित की तहरीर पर आरोपी युवक और उसकी मां के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

सेवा विस्तार की मांग को हड़ताल पर डटे 56 संविदा कर्मी

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश के विभिन्न विभागों में तैनात 56 संविदा कर्मियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। इससे नाराज कर्मचारियों ने मंगलवार को एम्स प्रशासनिक भवन के समक्ष प्रदर्शन किया। धरने पर बैठे कर्मचारियों ने नियुक्ति को बरकरार रखने की मांग करते हुए वर्ष 2017 में चौथी वित्त समिति के स्वीकृत वेतन वृद्धि का लाभ देने का मुद्दा भी उठा दिया है। मामले में एम्स ऋषिकेश प्रशासन अब निदेशक स्तर से होने वाले फैसले का इंतजार कर रहा है। मंगलवार को एम्स के प्रशासनिक भवन में निकाले गए 56 संविदा कर्मी बहाली की मांग को लेकर हड़ताल पर डटे नजर आए। कर्मचारी अनुराग पंत ने बताया कि सभी कर्मचारियों की तैनाती एम्स में वर्ष 2015–16 में की गई थी। इसके बाद से वह संविदा में हर 11 महीने में सेवा विस्तार के साथ निरंतर काम करते आ रहे हैं। नियमित तैनाती के लिए विभिन्न न्यायालयों में भी मामला लंबित है, जिसमें संस्थान को स्पष्ट आदेश है कि अंतिम आदेश आने तक कर्मचारियों की सेवा को बरकरार रखा जाए। बावजूद, दो सितंबर को अचानक सभी कर्मचारियों को कार्यकाल समाप्ति का फरमान सुना दिया गया है। कर्मचारी कलश जोशी ने कहा कि स्वीकृत वेतनवृद्धि का लाभ अब तक उन्हें नहीं दिया गया है।

ऑटो की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

हरिद्वार। कनखल क्षेत्र में दिल्ली–हरिद्वार हाईवे पर हादसे में साइकिल सवार युवक की मौत हो गई। आरोप है कि ऑटो चालक ने पीछे से साइकिल पर टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक मौके से भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन सीपीयू पुलिस ने थोड़ी दूरी पर उसे पकड़ लिया। ज्वालापुर की राजलोक कॉलोनी निवासी धर्मवीर शर्मा ने थाना कनखल में दी तहरीर में बताया कि उनका छोटा भाई जगदीश निवासी बजरीवाला बैरागी कैंप, कनखल बीते रविवार की सुबह गैस सिलेंडर भरवाकर साइकिल से घर लौट रहा था। जब वह बिजलीघर के पास गुरुकुल विवि रोड के सामने पहुंचा तो दिल्ली की ओर से आ रहे ऑटो ने पीछे से टक्कर मार दी। धर्मवीर के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि उनके भाई जगदीश की मौके पर ही मौत हो गई। आरोप है कि ऑटो चालक हादसे के बाद आरोपी बिना मदद किए फरार हो गया। उसे सीपीयू पुलिस ने कुछ दूरी पर दबोच लिया। थाना कनखल प्रभारी रविंद्र शाह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वाहन कब्जे में लेकर चालक से पूछताछ की जा रही ।

अमेरिका रहने वाला भतीजा बनकर 3.80 लाख रुपये ठगे

रुद्रपुर। महिला के व्हाट्सएप में ठग ने खुद को भतीजा बताकर 3.80 लाख की ठगी कर ली। जसंवत सिंह पुत्र जोगिन्दर सिंह निवासी ग्राम नगला ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि आठ जुलाई को उसकी पत्नी के मोबाइल के व्हाट्सएप पर भतीजा भूपेन्द्र बताकर अमेरिका से फोन आया। भूपेंद्र बनकर ठग ने बताया कि एजेंट ने उसका वर्क परमिट रोक लिया है।

सीपी राधाकृष्णन देश के नए उपराष्ट्रपति

सुदर्शन रेड्डी को हराया

नई दिल्ली ,एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन देश के नए उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। आज हुए मतदान में सीपी राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। राधाकृष्णन ने 152 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। उपराष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा, मैं नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन को उनके कार्यकाल की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हालांकि परिणाम मेरे पक्ष में नहीं है, फिर भी वैचारिक लड़ाई और अधिक जोश के साथ जारी रहेगी। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 98 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। शाम पांच बजे मतदान समाप्त होने के एक घंटे बाद छह बजे मतगणना प्रारंभ हुई। मतगणना समाप्त होने के बाद आज देर शाम नतीजे घोषित किए गए। जिसमें एनडीए उम्मीदवार को कुल 452 वोट मिले। जबकि विपक्ष के उम्मीदवार को 300 वोट मिले। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 767 वोट डाले गए। जिनमें से 752 वैध और 15 अवैध थे।

कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार के पक्ष में 315 सांसदों के मतदान का दावा किया था। वहीं बीआरएस और बीजेडी ने चुनाव में भाग नहीं लिया, जबकि राज्यसभा में बीआरएस के चार और बीजेडी के सात सांसद हैं। वहीं अकाली दल के सांसद ने बाढ़ के चलते मतदान में हिस्सा लेने से मना कर दिया था।

पीएम मोदी ने किया सबसे पहले मतदान

प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। मोदी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू, अर्जुन राम मेघवाल, जितेंद्र सिंह और एल. मुरुगन के साथ संसद भवन के कमरा संख्या 101, वसुधा में स्थापित मतदान केंद्र में अपना वोट डाला।

शुरुआत में मतदान करने वालों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और सैयद नासिर हुसैन शामिल थे। पूर्व प्रधानमंत्री, 92 वर्षीय देवेगौड़ा व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हाथों में हाथ डाले मतदान केंद्र तक जाते देखे गए। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार, एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी और कई अन्य नेताओं ने भी मतदान किया। जेल में बंद सांसद इंजीनियर रशीद ने भी मतदान में हिस्सा लिया।

दक्षिण भारत से थे दोनों उम्मीदवार

संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के कारण यह चुनाव हुआ।

इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं। उप राष्ट्रपति पद के राजग उम्मीदवार राधाकृष्णन तमिलनाडु की एक प्रमुख ओबीसी जाति गौंडर से आते हैं और आरएसएस की पृष्ठभूमि वाले हैं।

पंजाबी बस्ती में 4 मंजिला इमारत ढही, 14 लोगों का रेस्क्यू

नई दिल्ली ,राजधानी दिल्ली के सब्जी मंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत पंजाबी बस्ती में मंगलवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया, जब एक चार मंजिला इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। दिल्ली फायर सर्विस को मंगलवार सुबह 2.52 बजे इस घटना की सूचना मिली। गनीमत रही कि हादसे के समय इमारत खाली थी, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई है।

जानकारी सामने आई है कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने पहले ही इस इमारत को खतरनाक घोषित कर रखा था। हादसे के बाद पास की एक इमारत में फंसे 14 लोगों को दिल्ली फायर सर्विस के कर्मियों ने सुरक्षित निकाला। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली फायर सर्विस की 5 गाड़ियां मौके पर तैनात हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। इमारत के मलबे में कई वाहन दब गए हैं। दिल्ली फायर सर्विस, दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्य में जुटी हैं। हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इमारत की जर्जर स्थिति इसके ढहने का प्रमुख कारण हो सकती है।

पीएम मोदी ने हिमाचल के आपदा प्रभावित इलाकों का हवाई दौरा किया

1,500 करोड़ रुपए की आर्थिक मदद का ऐलान

शिमला ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, भारी बारिश और भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान और बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के लिए राज्य का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राहत और पुनर्वास कार्यों को गति देने के साथ–साथ प्रभावित लोगों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। प्रधानमंत्री ने सबसे पहले हिमाचल प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद, कांगड़ा में एक आधिकारिक बैठक में उन्होंने राहत और पुनर्वास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और राज्य में हुए नुकसान का आकलन किया। इस बैठक में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लिए 1,500 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता की घोषणा की। एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मंजूरी, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के तहत राहत का प्रावधान और पशुधन के लिए मिनी किट भी जारी किए जाएंगे।

पीएमओ के अनुसार, कृषि समुदाय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, उन किसानों के लिए विशेष सहायता प्रदान की जाएगी, जिनके पास वर्तमान में बिजली कनेक्शन नहीं हैं।

मौसम खुलते ही केदारनाथ में बढ़े तीर्थयात्री

रुद्रप्रयाग : मौसम की राहत के साथ ही अब केदारनाथ धाम की यात्रा ने भी धीरे-धीरे रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। बीते तीन दिनों से प्रतिदिन केदारनाथ जाने वाले यात्रियों की संख्या 5 हजार से अधिक है। ऐसे में अब यात्रा में और तेजी आने की उम्मीद है। बरसात के बाद हर साल केदारनाथ धाम की यात्रा सितम्बर माह से कपाट बंद होने तक बेहतर संचालित होती है। इस बार भले ही अत्यधिक बारिश के चलते हाईवे की स्थिति कई जगहों पर खराब है, किंतु यात्रियों में उत्साह की कोई कमी नहीं है। मुश्किलों के बीच भी यात्री केदारनाथ धाम दर्शनों को पहुंच रहे हैं। मंगलवार को सोनप्रयाग और गौरीकुंड से करीब 6 हजार यात्री केदारनाथ धाम के लिए रवाना हुए। केदारनाथ धाम में भी रौनक लौटने लगी है। मंदिर परिसर के चारों ओर यात्रियों की चहलकदमी बनी है। सुबह दर्शनों को लेकर लाइन में यात्री जय बाबा केदार के जयघोष के साथ मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं तो सायंकालीन आरती में बाबा की भक्ति में लीन हो रहे हैं। बताते चलें कि आगामी 15 सितम्बर से केदारनाथ धाम के लिए हेलीकॉप्टर सेवा भी शुरू होने वाली है ऐसे में पैदल चलने वाले यात्रियों के साथ ही हेलीकॉप्टर से भी बड़ी संख्या में यात्री केदारनाथ धाम पहुंचेंगे। इधर, जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि केदारनाथ यात्रा के दूसरे चरण के लिए यात्रा से जुड़े अफसरों को पहले ही निर्देशित किया गया है वे सभी व्यवस्थाएं बेहतर रखें। बरसात के चलते यात्रा मार्ग पर टूटी रेलिंग, पुश्ता और अन्य दिक्कतों को ठीक किया जा रहा है। यात्रियों को हर संभव सुविधाएं दी जा रही है। (एजेंसी)

वाराणसी में गंगा का उफान, नमो घाट भी बाढ़ की चपेट में, प्रशासन अलर्ट

वाराणसी , उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में गंगा नदी ने एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाया है। लगातार हो रही पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। इसका सबसे ज्यादा असर वाराणसी में देखा जा रहा है, जहां गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु (70.26 मीटर) को पार कर चुका है और खतरे के निशान (71.26 मीटर) के करीब पहुंच गया है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, मंगलवार सुबह 8 बजे गंगा का जलस्तर 70.98 मीटर दर्ज किया गया, जो प्रतिघंटे लगभग 1 सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले 24 घंटों में यह और ऊपर चढ़ सकता है। शहर के कुल 85 घाटों में से अधिकांश पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। अस्सी घाट से लेकर दशाश्वमेध, मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट तक सभी पर गंगा का पानी है। घाटों के बीच का संपर्क पूरी तरह टूट चुका है, जिससे एक घाट से दूसरे पर जाना असंभव हो गया है। घाट पर नमस्कार आकृति वाली विशाल प्रतिमा भी डूब चुकी है। घाट का प्लेटफॉर्म, सीढ़ियां और आसपास के क्षेत्र सब पानी में समा गए हैं। नमो घाट पर नीचे जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। यहां सेल्फी पॉइंट और अन्य सुविधाएं बंद हैं। बाढ़ का असर केवल घाटों तक सीमित नहीं है। गंगा के बढ़ते जलस्तर से वरुणा नदी में भी पलट प्रवाह हो गया है, जिसके कारण शहर के निचले इलाकों नगवा, संगमपुरी कॉलोनी और बस्ती में पानी घुस आया है।

हिमालय संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है सरकार : धामी

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ध्यान देना होगा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में प्लास्टिक वेस्ट के प्रबंधन के लिए डिजिटल डिपॉजिट रिफंड सिस्टम प्रारम्भ किया गया है। इस एक छोटी सी पहल से हिमालयी क्षेत्र में 72 टन कार्बन उत्सर्जन को कम करने में सफलता मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें पर्यटन क्षेत्र में भी पर्यावरणीय संरक्षण की दिशा में ध्यान देना होगा क्योंकि अनियंत्रित और असंवेदनशील पर्यटन हिमालय के पर्यावरण के लिए नुकसानदायक साबित हो रहा है। इसके लिए हमें ''सस्टेनेबल टूरिज्म'' को बढ़ावा देना होगा, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना पर्यटन का विकास किया जा सके।

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि राज्य सरकार हिमालय संरक्षण को लेकर पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है, इस महत्वपूर्ण काम में हम सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी इस अमूल्य धरोहर को गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। जलवायु परिवर्तन, अनियंत्रित विकास, और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हिमालय के संतुलन को बिगाड़ रहे हैं। इसके ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जो आने वाले समय में गंभीर जल संकट और पारिस्थितिकीय असंतुलन की बड़ी चुनौती बन सकते हैं। मंगलवार को आईआरडीटी सभागार में आयोजित हिमालय दिवस समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी को हिमालय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिमालय मात्र बर्फीली चोटियों और विस्तृत पर्वतमालाओं का समूह नहीं है बल्कि ये सम्पूर्ण भारतीय उपमहाद्वीप का जीवन स्रोत भी है। हिमालय न केवल भारत के उत्तर में अटल प्रहरी का काम करता है, बल्कि इसकी पर्वतीय नदियाँ पूरे देश की जीवनधारा हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय की ऊंची चोटियां, विस्तृत ग्लेशियर, नदियां और जैव विविधता से भरपूर वन हमें न केवल प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव कराते हैं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां हिमालय से निकलने वाली नदियां देश के करोड़ों लोगों की प्यास बुझाती हैं वहीं इस पर पाए जानी वाली दुर्लभ जड़ी बूटियां आयुर्वेद का आधार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब हिमालयी क्षेत्र में वर्षा की तीव्रता लगातार बढ़ रही है और अप्रत्याशित क्लाउड बर्स्ट तथा उनके परिणामस्वरूप भूस्खलन जैसी आपदाएं बार-बार घटित हो रही हैं। इन घटनाओं की आवृत्ति और उनके प्रभाव दिन प्रति दिन बढ़ते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में हमारे राज्य को कई भीषण प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ा है। इन गंभीर चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटने के लिए वैज्ञानिक संस्थानों और विशेषज्ञों के बीच समन्वय स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है।

टीक–टॉक की वापसी पर सरकार ने खत्म किया सस्पेंस

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिया फाइनल जवाब

नई दिल्ली , भारत और चीन के बीच सुधरते रिश्तों के बीच क्या देश में लोकप्रिय शॉर्ट वीडियो ऐप टिकटॉक की भी वापसी होगी? पिछले कुछ हफ्तों से चल रही इन अटकलों पर अब केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पूरी तरह से विराम लगा दिया है। उन्होंने दो टूक शब्दों में साफ किया है कि सरकार की टिकटॉक पर से प्रतिबंध हटाने की कोई योजना नहीं है। एक निजी मीडिया हाउस 'मनी कंट्रोलझ्' को दिए इंटरव्यू में केंद्रीय मंत्री ने इन अफवाहों पर सरकार का पक्ष आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या टिकटॉक की वापसी को लेकर सरकार में कोई विचार–विमर्श चल रहा है, तो उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर सरकार के भीतर अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है। इतना ही नहीं, टिकटॉक की मूल कंपनी 'बाइटडांस् की ओर से भारत में वापसी के किसी भी प्रयास पर उन्होंने कहा, हमें अभी तक किसी भी ओर से कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। दरअसल, टिकटॉक की वापसी की अटकलें यूं ही शुरू नहीं हुई थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया चीन यात्रा और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत के बाद दोनों देशों के रिश्तों में आई गर्मजोशी को एक बड़े कारण के तौर पर देखा जा रहा था। इसी बीच, पिछले महीने भारत में एक तकनीकी गड़बड़ी (ग्लिच) के कारण टिकटॉक की वेबसाइट कुछ समय के लिए खुल गई थी। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर अफवाहों ने जोर पकड़ लिया कि सरकार चुपके से ऐप को वापस लाने की तैयारी कर रही है। आपको बता दें कि भारत सरकार ने जून 2020 में चीन के साथ सीमा पर बढ़े तनाव के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए टिकटॉक समेत 59 चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध लगा दिया था।

अवैध जुए के अड्डों पर की कार्रवाई, 17 गिरफ्तार

नई दिल्ली ,दिल्ली आउटर जिला पुलिस ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग–अलग इलाकों में चल रहे जुए के अड्डों पर छापेमारी की और कुल 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया। सभी मामलों में दिल्ली पब्लिक गैंबलिंग एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। डीसीपी आउटर डिस्ट्रिक्ट के निर्देश पर पूरे जिले की पुलिस को सतर्क और सक्रिय रहने के लिए विशेष रूप से संवेदनशील इलाकों में गश्त और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे। इसी के तहत पुलिस टीमों ने रविवार को कई इलाकों में कार्रवाई की और संगठित अपराध की कड़ी नाकेबंदी की। सबसे पहले पश्चिम विहार वेस्ट थाना की टीम ने नेहरू मार्केट, ज्वालापुरी के पास बाघ वाला पार्क में छापा मारा। दरअसल, हेड कांस्टेबल सुजन और सुरेश को गश्त के दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि पार्क में कुछ लोग अवैध जुआ खेल रहे हैं।

चंबा : प्राकृतिक आपदा से टूटी किसानों की कमर, 19 करोड़ का नुकसान

चंबा ,। हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा से हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के किसानों को भारी नुकसान पहुंचा है। भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ ने जहां जनजीवन अस्त–व्यस्त कर दिया, वहीं कृषि क्षेत्र को भी तगड़ा झटका लगा है।

कृषि विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, जिले में फसलों को हुए नुकसान का अनुमानित आंकड़ा करीब 19 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। जानकारी के मुताबिक, आपदा की सबसे ज्यादा मार फसलों पर पड़ी है। कई इलाकों में खेतों की उपजाऊ मिट्टी बह गई है, जिससे किसान आने वाले सीजन में भी सही ढंग से खेती करने को लेकर असमंजस में हैं। खड़ी फसलों के नष्ट हो जाने से किसान न केवल तत्कालीन आय से वंचित हो गए हैं, बल्कि उन्हें बीज और खाद की व्यवस्था करने की भी बड़ी चुनौती सामने खड़ी है। कृषि उपनिदेशक चंबा भूपेंद्र सिंह ने सोमवार को बताया कि खरीफ सीजन के तहत जिले में लगभग 28 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फसलें लगाई गई थीं। आपदा के कारण बड़ी संख्या में खेत और फसलें बर्बाद हो गईं। विभागीय टीमों ने नुकसान का आकलन करने के लिए प्रभावित गांवों का दौरा किया है और अब तक की रिपोर्ट के अनुसार करीब 19 करोड़ रुपये का नुकसान सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह नुकसान सिर्फ किसानों की आय पर ही नहीं, बल्कि जिले की संपूर्ण कृषि अर्थव्यवस्था पर भी गहरी चोट है। विभाग ने नुकसान की रिपोर्ट सरकार को भेज दी है और उम्मीद है कि जल्द ही राज्य और केंद्र सरकार प्रभावित किसानों को राहत और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएगी। आपदा के बाद किसानों के सामने आने वाले सीजन के लिए खेती को फिर से शुरू करना सबसे बड़ी चुनौती है। जिन खेतों की मिट्टी बह गई है, उन्हें दोबारा उपजाऊबनाने में समय और मेहनत दोनों लगेंगे। वहीं, जिन किसानों की पूरी फसल बर्बाद हो गई है, उनके सामने परिवार का गुजारा चलाना भी कठिन हो गया है।

टूर ऑपरेटर अपने ऑफिस उत्तराखंड में भी खोलें- महाराज

– उत्तरा सम्मेलन में टूर ऑपरेटर्स को बताया राज्य का पर्यटन ब्रांड एम्बेसडर

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड एक ऐसा स्थान है जहां के विभिन्न पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर वर्षभर सबसे अधिक यात्री आते हैं। टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंसियों के कार्यालय राजधानी दिल्ली में खुले हैं और वहीं वह जीएसटी भी काटते हैं। जब यात्रा उत्तराखंड की है तो जीएसटी भी उत्तराखंड में कटनी चाहिए। इसलिए टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंसियों को उत्तराखंड की यात्रा पर आने वाले यात्रियों के लिए अपने कार्यालय उत्तराखंड में भी खोलने चाहिए ताकि उत्तराखंड को जीएसटी का लाभ मिल सके। उक्त बात प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखंड टूरिज्म रिप्रेजेंटेटिवस (उत्तरा) एसोसिएशन एवं उत्तराखण्ड पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को एक स्थानीय होटल में आयोजित उत्तरा सम्मेलन में प्रतिभाग करने आये टूर ऑपरेटर, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विशेषज्ञों, उद्यमियों और संगठनों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कही। सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने आयोजनकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि उत्तराखण्ड, जिसे हम देवभूमि कहते हैं, केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह रोमांच, साहसिक पर्यटन, वेलनेस मेडिकल पर्यटन और प्राकृतिक सौंदर्य की दृष्टि से भी अपार संभावनाएँ समेटे हुए है। इसलिए आज जब हम इस आयोजन के अवसर पर पर्यटन के भविष्य की चर्चा कर रहे हैं, तो हमें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि पर्यटन केवल अर्थव्यवस्था का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, हमारी परंपराओं और हमारी धरोहर को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का भी एक सशक्त माध्यम है।

पर्यटन मंत्री श्री महाराज ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड एक ऐसा स्थान है जहां के विभिन्न पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर वर्षभर सबसे अधिक यात्री आते हैं। टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंसियों के कार्यालय राजधानी दिल्ली में खुले हैं और वहीं वह जीएसटी भी काटते हैं। जब यात्रा उत्तराखंड की है तो

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के घरों में घुसी भीड़

काठमांडू ,नेपाल में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन के विरोध में जारी हिंसक प्रदर्शन के बीच सरकार पर संकट गहरा रहा है। मंगलवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के मंत्रिमंडल के एक अन्य मंत्री ने भी इस्तीफा दे दिया। कुल चार मंत्रियों का इस्तीफा हो चुका है। राष्ट्रपति रामचंद्र पैडोल और पीएम केपी शर्मा ओली के निजी आवास पर प्रदर्शनकारियों ने आगजनी और तोड़फोड़ की है। इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड, शेर बहादुर देउबा, कल गृहमंत्री के पद से इस्तीफा देने वाले रमेश लेखक और संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के घर आगजनी भी की है। कृषि और पशुधन विकास मंत्री रामनाथ अधिकारी ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

संभल हिंसा पर सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क को राहत

हाईकोर्ट ने कार्यवाही पर अगले आदेश तक लगाई रोक

प्रयागराज , इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल की जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा से जुड़े मामले में सपा के सांसद जिया उर रहमान बर्क को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने संभल के विशेष जज (एमपी/एमएलए) कोर्ट में चल रही आगे की कार्यवाही पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। सांसद जिया उर रहमान बर्क ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर विशेष जज की अदालत में चल रही पूरी कार्यवाही को रद्द करने की मांग की है। याचिका पर जस्टिस समीर जैन की एकल पीठ सुनवाई कर रही है। 24 नवंबर 2024 को संभल स्थित जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हिंसा भड़काने का आरोप लगाते हुए सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क के खिलाफ कोतवाली थाने में एक एफआईआर दर्ज की गई थी। अब इस मामले की अगली सुनवाई तक सांसद को फिलहाल राहत मिल गई है। दरअसल, संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क उठी थी, जिसके चलते पांच लोगों की मौत हुई और 20 पुलिसकर्मियों सहित कई लोग घायल भी हो गए थे।

सम्पादकीय

आपदा "अवसर" नहीं एक "सबक"

उत्तराखंड में इस वर्ष अप्रैल से लेकर सितंबर तक आई विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं ने पूरे प्रदेश को हिला कर रख दिया है। प्रकृति ने स्पष्ट कर दिया कि उसके मूल स्वरूप के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ खुद इंसान को ही महंगी पड़ेगी, नदी नालों का वेग रोकने की कोशिश की तो समय आने पर नदियां अपने मार्ग को तलाशती हुई सब कुछ नष्ट कर देंगी। यही सब इस बार मानसून से लेकर अब तक देखने को मिल रहा है जहां पहाड़ों के नियोजित विकास एवं अतिक्रमण से प्रकृति का मिजाज बिगड़ गया है और उसका रूद्र रूप विभीषिका के तौर पर सामने आ रहा है। प्रकृति का क्रोध है कि थमने का नाम नहीं ले रहा है जनहानि से लेकर प्राकृतिक एवं सार्वजनिक संपत्ति का बड़े पैमाने पर नुकसान हो चुका है। हजारों लोग मारे जा चुके हैं जिनमें लापताओं की संख्या भी असीमित है। कुछ मलबो में दब गए तो कुछ नदियों के वेग के साथ बह गए। अब चुनौती यह है कि उजड़े हुए पहाड़ों को एक बार फिर कैसे व्यवस्थित किया जाए? चुनौतियों से तो जूझना ही होगा, उन लोगों के लिए जो आज भी पहाड़ों को जिंदा रखे हुए हैं लेकिन यह भी समझना होगा की पहाड़ों के साथ छेड़छाड़ किस स्तर तक विनाश के द्वार पर ले जा सकती है। उत्तराखंड में पहाड़ों में जिस प्रकार से अवैध निर्माण किए गए, जिसके लिए निजी स्वार्थ की खातिर प्राकृतिक संवर्धन एवं संरचनाओं के स्वरूप को भी ध्यान में नहीं रखा गया उसी का परिणाम आज विनाशकारी प्रकोप के रूप में देखने को मिला है। वर्ष 2013 में केदारनाथ में आई आपदा से इसकी शुरुआत हो चुकी थी लेकिन उस वक्त भी शासन प्रशासन को भविष्य का खतरा नजर नहीं आया। "आपदा में अवसर" की बातें तो बहुत उठी लेकिन आपदा से सबक लेने का शायद प्रयास ही नहीं किया गया। पहाड़ों की अनदेखी और अनियोजित निर्माण ने वर्तमान के पूरे स्वरूप को ही बिगाड़ कर रख दिया है और अब नुकसान कितना हुआ है इसके आकलन के लिए सर्वे दल भेजे जा रहे हैं। खैर यह तो एक सरकारी सिस्टम है कि नुकसान हुआ है तो उसका आकलन करना भी जरूरी है ताकि प्रभावित क्षेत्र और वहां रहने वाले लोगों का पुनर्वास किया जा सके। भारत सरकार की अंतर मंत्रालय केंद्रीय टीमों द्वारा मानसून काल में हुई आपदा की क्षति का आकलन करने के लिए स्थलीय निरीक्षण किया जा रहा है लेकिन इससे भी अधिक जरूरी यह होता यदि समय पर पहाड़ों की भौगोलिक स्थिति को लेकर तकनीकी टीमों से निरीक्षण एवं सर्वे कराया जाता। कुमाऊंसे लेकर गढ़वाल के पहाड़ों में असीमित नुकसान हुआ है जिसका आकलन करना चाहे तो भी संभव नहीं होगा। प्रभावित क्षेत्रों में अब पुनर्निर्माण, पुनर्वास तथा जनजीवन को सामान्य करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। केंद्र और राज्य मिलकर पुनर्वास एवं नुकसान की पूर्ति तो कर सकते हैं लेकिन जिनके जीते जागते लोग काल के ग्रास में समा गए उस नुकसान का आकलन किया महज मुआवजे से किया जा सकता है? प्रकृति के प्रकोप ने एक बार फिर संदेश दिया है कि अगला विनाश कल्पनाओं से भी पार होगा, अभी भी पहाड़ों के संरक्षण तथा संवर्धन की सोच सवीपरि नहीं रखी गई तो आगे परिणाम भुगतने के लिए पूरी मानव जाति तैयार रहे। प्रकृति के संरक्षण के विचारधारा को समझने के लिए ऐसे लोगों के मार्गदर्शन की जरूरत है जो भौगोलिक एवं जलवायु विज्ञान से जुड़े हुए हो, ऐसे लोग नहीं जो राजनीतिक कृपा से विभिन्न आयोगों एवं संस्थानों में पदाधिकारी बन कर अधकचरा ज्ञान बघार रहे हों।

डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें

ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में अक्सर मरीज कम पढ़े–लिखे होते हैं। जब वे डॉक्टर की पर्ची लेकर दवा की दुकान पर पहुंचते हैं तो उनकी समझ से बाहर होता है कि कौन–सी दवा कितनी बार लेनी है। कई बार दवा विक्रेता भी लिखावट को गलत समझ लेता है। इससे मरीज गलत समय पर दवा खा लेता है, डोज बिगड़ जाती है और बीमारी बढ़ जाती है। यह समस्या गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग मरीजों में और भी गंभीर हो जाती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अदालत ने सही कहा कि मरीज को अपनी बीमारी और इलाज की जानकारी मिलना उसका मौलिक अधिकार है। यदि प्रिस्क्रिप्शन ही अस्पष्ट और अधूरी जानकारी वाला हो तो यह अधिकार स्वत: ही बाधित होता है। इस संदर्भ में यह आदेश केवल चिकित्सा पद्धति के तकनीकी सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में एक ऐसा आदेश दिया है, जो न केवल हरियाणा–पंजाब बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरी छाप छोड़ेगा।

अदालत ने स्पष्ट कहा कि डॉक्टरों को अब मरीजों की पर्ची साफ लिखनी होगी। बेहतर होगा कि डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें या फिर टाइप/डिजिटल रूप में पर्ची दें। यह फैसला सिर्फ लिखावट की औपचारिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे मरीज की सुरक्षा और जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा हुआ है।

भारत में अक्सर यह शिकायत सुनने को मिलती रही है कि डॉक्टरों की लिखावट इतनी उलझी होती है कि फार्मासिस्ट या मरीज को समझ ही नहीं आता कि कौन–सी दवा, कितनी मात्रा में और कितने समय तक लेनी है। ऐसे में गलत दवा या गलत खुराक से मरीज की हालत बिगड़ जाना आम बात है। कई बार तो यह लापरवाही मौत तक का कारण बन चुकी है। यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं है। बड़े–बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों में भी प्रिस्क्रिप्शन का यह संकट मौजूद है। लिहाजा हाईकोर्ट का हस्तक्षेप एक जीवन रक्षक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। यह विषय केवल चिकित्सकीय नहीं बल्कि सामाजिक भी है।

ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में अक्सर मरीज कम पढ़े–लिखे होते हैं। जब वे डॉक्टर की पर्ची लेकर दवा की दुकान पर पहुंचते हैं तो उनकी समझ से बाहर होता है कि कौन–सी दवा कितनी बार लेनी है। कई बार दवा विक्रेता भी लिखावट को गलत समझ लेता है। इससे मरीज गलत समय पर दवा खा लेता है, डोज बिगड़ जाती है और बीमारी बढ़ जाती है। यह समस्या गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग मरीजों में और भी गंभीर हो जाती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अदालत ने सही कहा कि मरीज को अपनी बीमारी और इलाज की जानकारी मिलना उसका मौलिक अधिकार है।

यदि प्रिस्क्रिप्शन ही अस्पष्ट और अधूरी जानकारी वाला हो तो यह अधिकार स्वतः ही बाधित होता है। इस संदर्भ में यह आदेश केवल चिकित्सा पद्धति के तकनीकी सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जब तक देशभर में ई–प्रिस्क्रिप्शन (कंप्यूटर से बनी पर्ची) की व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं हो जाती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल लेटर्स में लिखें। यह सुझाव व्यावहारिक भी है और भविष्य की दिशा भी तय करता है। डिजिटल हेल्थ रिकार्ड और ई–प्रिस्क्रिप्शन के कई लाभ हैं मरीज का पूरा मेडिकल इतिहास सुरक्षित रहता है, फार्मासिस्ट को गलतफहमी की गुंजाइश नहीं रहती, दवा कंपनियों और हेल्थ इंश्योरेंस तक पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और मरीज चाहे गांव का हो या महानगर का, उसे स्पष्ट जानकारी मिलती है।

हाईकोर्ट ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को भी निर्देश दिया है कि मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को साफ–सुथरी लिखावट और स्पष्ट प्रिस्क्रिप्शन की ट्रेनिंग दी जाए। यदि मेडिकल शिक्षा के शुरुआती दौर से ही छात्रों को साफ लिखने और स्पष्ट पर्चा देने की आदत डाल दी जाए, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या स्वतः ही खत्म हो सकती है। यह सुधार मेडिकल एथिक्स का हिस्सा बनना चाहिए।

अदालत ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी नीति बनाने का निर्देश दिया है। इस नीति के तहत छोटे क्लिनिक और ग्रामीण डॉक्टरों को कंप्यूटर आधारित प्रिस्क्रिप्शन सिस्टम के लिए आर्थिक सहायता दी जा सकती है। जिला स्तर पर सिविल सर्जन की निगरानी में जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाए और स्वास्थ्य विभाग समय–समय पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करे कि डॉक्टर पर्चे पढ़ने योग्य लिख रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव बताते हैं कि प्रिस्क्रिप्शन की स्पष्टता स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी सुधार लाती है। पश्चिमी देशों में डॉक्टरों द्वारा हाथ से लिखे पर्चे अब लगभग अतीत की बात हो चुके हैं। अमेरिका, यूरोप और जापान में ज्यादातर अस्पतालों और क्लिनिकों में ई–प्रिस्क्रिप्शन ही मानक बन चुका है। भारत में भी 'डिजिटल इंडिया मिशनइ और 'आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशनइ के तहत इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाईकोर्ट का आदेश इन पहल को और गति देगा। हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली और इंटरनेट की कमी से डिजिटल व्यवस्था लागू करना कठिन होगा। छोटे क्लिनिकों के लिए कंप्यूटर, प्रिंटर और सॉफ्टवेयर की लागत बड़ी बाधा है। डॉक्टरों पर पहले से ही प्रशासनिक बोझ है, ऐसे में अतिरिक्त प्रशिक्षण और औपचारिकताएं असुविधा पैदा कर सकती हैं। यह भी सही है कि मरीजों की भाषा और समझ अलग–अलग होती है। अतः केवल अंग्रेजी या कैपिटल लेटर्स काफी नहीं होंगे, बल्कि स्थानीय भाषा में भी स्पष्टता जरूरी है। डॉक्टरों की लिखावट अब केवल मज़ाक या व्यंग्य का विषय नहीं रह गई, बल्कि यह सीधे–सीधे जीवन और मृत्यु का प्रश्न है।

भारत चीन संबंधों का नया दौर का एक विश्लेषण

अजय दीक्षित

1962 की कड़वाहट को 63 वर्ष बाद भारत और चीन नए सिरे से लिखने की भूमिका बना रहे हैं। इसी सिलसिले में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज चीन पहुंचे हैं इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा सलाहकार अजीत डोभाल अभी हाल में चीन में थे । यह घटनाक्रम यू एस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए जा रहे पचास फीसदी टैरिफ से शुरू हुआ है।इसी दौर में ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल मुनीर खान को वाशिंगटन बुलाया गया था और उनके साथ ट्रंप ने डिनर कर यह संकेत दिया था कि पाकिस्तान उसके लिए महत्वपूर्ण है।

हालांकि भारत के साथ ट्रंप की नीति क्यों बदली इसको लेकर कई धारणाएं हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने डोनॉल्ड ट्रंप को नोबेल पुरस्कार देने की सहमति देने से इनकार कर दिया था जबकि व्हाइट हाउस की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीन बार संपर्क किया गया था। पाकिस्तान ने इस बात को प्राथमिकता दी और सार्वजनिक रूप से सहमति दी। हालांकि कूटनीतिक क्षेत्र में यह बात समझ में नहीं आती है लेकिन और भी बहुत से कारण हैं।

दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स में जो आज रिपोर्ट प्रकाशित हुई है उसमें कहा गया है कि यूक्रेन रूस युद्ध समाप्त नहीं होने के पीछे भारत है जो रूस से लगातार सस्ती दरों के नाम पर क्रूड ऑयल,गैस खरीद रहा है और रूस को उसी धन से मदद कर रहा है। अमेरिकन पेंटागन अधिकारियों ने बकायदा पत्र लिख कर यू एस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप को कहा है कि रूस यूक्रेन पर कब्जा कर ही दम लेगा। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी खपत का चालीस फीसदी क्रूड ऑयल रूस, से खरीद रहा है।वह भी विश्व बाजार से 30 फीसदी तक सस्ता है और कारोबार रुपए में है। यू एस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप कई बार युद्ध समाप्त करने का प्रयास कर चुके हैं लेकिन पुतिन नहीं मान रहे हैं। हालांकि चाइना भी ऐसा ही कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉनल्ड ट्रंप की नीति से निपटने के लिए अब चीन की ओर रुख किया है। भारत पहले से ही बहुत सी कच्चा मॉल चीन से खरीदता है। जिसमें दवाइयों का रो मटेरियल, शामिल है। रूसी विचारक, कहानीकार, कवि, टॉलस्टाय ने कहा था कि दो लोगों के संबंध हो सकते हैं लेकिन दो राष्ट्रों के संबंध बिल्कुल व्यवसायिक होते हैं।

चाइना पाकिस्तान या भारत अमेरिका के संबंध एक दूसरे के हितों पर आधारित होते हैं।

चाइना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे पहले गलवान घाटी, अरुणाचल प्रदेश में सीमा विवाद जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देना चाहेंगे।1962 में जवाहर लाल नेहरू को चीन से धोखा मिला था। उनकी विदेश नीति मटियामेट हो गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फूंक फूंक कर कदम रखेंगे। व्यापार के मुद्दे पर भारत और चीन दोनों को आसानी होगी। पाकिस्तान भी एक मसला होगा क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान चाइना के हथियारों से लड़ा था।

डॉनाल्ड ट्रंप का अमेरिका कहीं विश्व में अलग थलग न पड़ जाए

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप,को बुलाया नहीं गया था। दूसरी ओर डॉनल्ड ट्रंप ने आज कहा है कि बीजिंग में पुतिन,सी जिंग पिंग, और किंग जोंग अमेरिका के खिलाफ साजिश रच रहे हैं।एक ओर महत्वपूर्ण बयान फ्रांस के राष्ट्रपति ने पेरिस से दिया कि भारत को टैरिफ के नाम पर प्रताड़ित करना अमेरिका के लिए ठीक नहीं है।इससे नाटो देशों की भावना कमजोर होगी। ऐसा लगता है कि चाइना के राष्ट्रपति सी जिंग पिंग इस समय का इंतजार कर रहे थे कि कब भारत अमेरिका से अलग रास्ते पर चल पड़े। दरअसल इस समय रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर पूरी दुनिया दो फाड़ हो गई है।

अजय दीक्षित

आज चाइना के 70वे विक्ट्री डे परेड के मौक पर बीजिंग से एक संदेश निकला है कि विश्व में अब अमेरिका की एक तरह से दादागिरी नहीं चलेगी।इस मौके पर रूस के राष्ट्रपति वालीडमार पुतिन, नॉर्थ कोरिया के राष्ट्रपति किंग जोंग , चाइना के राष्ट्रपति सी जिंग पिंग, फिनलैंड और तमाम यूरोपीय देशों के 26 शासनाध्यक्ष मौजूद थे।इस दौरान चाइना ने अपनी सैन्य ताकत का भी प्रदर्शन किया।चाइना ने विक्ट्री डे के ठीक दो दिन पहले शंघाई सहयोग संगठन की बैठक भी कूटनीतिक स्तर पर आयोजित की थी जिससे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे थे। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप,को बुलाया नहीं गया था। दूसरी ओर डॉनल्ड ट्रंप ने आज कहा है कि बीजिंग में पुतिन,सी जिंग पिंग, और किंग जोंग अमेरिका के खिलाफ साजिश रच रहे हैं।एक ओर महत्वपूर्ण बयान फ्रांस के राष्ट्रपति ने पेरिस से दिया कि भारत को टैरिफ के नाम पर प्रताड़ित करना अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए ठीक नहीं है।इससे नाटो देशों की भावना कमजोर होगी।

ऐसा लगता है कि चाइना के राष्ट्रपति सी जिंग पिंग इस समय का इंतजार कर रहे थे कि कब भारत अमेरिका से अलग रास्ते पर चल पड़े। दरअसल इस समय रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर पूरी दुनिया दो फाड़ हो गई है।1990 में सोवियत संघ के विघटन के बाद पहला मौका है जब अमेरिका जो चाहता वह हो नहीं पाया है।रूस ने युद्ध बंद करने से मना कर दिया और अब वह पूरे यूक्रेन पर कब्जा करने की जुगाड में है।

रूस पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका ने इस लिए भारत पर पच्चीस फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया कि भारत रूस से सस्ती दरों पर काफी क्रूड ऑयल खरीद रहा है और रूस की अर्थ व्यवस्था को मजबूत करने का काम कर रहा है जबकि चीन भी ऐसा ही कर रहा है।

दूसरी ओर अमेरिका चाहता है कि भारत पुतिन से रक्षा समझौता ब उपकरण हेलीकॉप्टर मिसाइल ड्रोन राइफल फाइटर जेट्स,कम मात्र में खरीदे बल्कि अमेरिका से डील करे ।

यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप के

कारनामे के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका दौरा भी रद्द कर दिया है और डोनॉल्ड ट्रंप भी भारत नहीं आ रहे हैं।

चाइना अब उस स्थिति में आ गया है कि वह विश्व लीडर बन सके।उसका वित्तीय विकास बहुत ही अच्छा है। दूसरे पायदान की अर्थव्यवस्था है ।अब वह भी गोलबंदी में लगा है

भारत ही उसकी कमजोर कड़ी थी क्योंकि भारत भी रिकॉर्ड 7 फीसदी जीडीपी ग्रोथ रेट से बढ़ रहा है।वह भी विश्व की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक व्यवस्था है।हो सकता एक दशक में तीसरे स्थान पर आ जाएगा।

ट्रंप ने चाइना को यह अवसर दिया है कि वह भारत के साथ काम करे । इस समय यूरोपीय देशों में फ्रांस जर्मनी इटली ब्राजील ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका न्यूजीलैंड इंग्लैंड, अमेरिका की नीतियों से सन्तुष्ट नहीं है क्योंकि युक्रेन युद्ध में अमेरिका की भूमिका को रूस तब्बजो नहीं दे रहा है।

जाली एलएलबी 3 का दूसरा गाना गिलास ऊँची रखी सान्ग रिलीज़ हुआ

बालीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार ने अपनी फिल्म जाली एलएलबी 3 का नया सान्ग गिलास ऊँची रखी रिलीज़ कर दिया है, और इसट्रैक के साथ फिल्म की एक और धमाकेदार झलक सामने आई है। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, केस जीते या हारे, गिलासऊँची रखी ते स्वैग ऊँची रखी यानी अगर केस जीत भी गए तो, स्टाइल में जीतें ! इस सान्ग में वही मस्त और फनी एटीट्यूड है, जिसे दर्शक जाली एलएलबी की फिल्मों से प्यार करते हैं।

सान्ग विक्रम मोन्ट्रोस द्वारा कंपोज़ किया गया है और मेघा बाली, चा घुमन, करण कपाडिया और विक्रम ने इसे गाया है। ट्रैक में करण कपाडिया नेरैप भी किया है, और इसकी लिरिक्स मेघा बाली ने लिखी हैं।

इस सान्ग का म्यूजिक कोर्ट रूम ड्रामा के साथ दिलचस्प डांस बीट्स और मस्ती काबेहतरीन मेल है, जो दर्शकों को एक अलग ही मूड में ले जाएगा।जाली एलएलबी 3 में अक्षय कुमार एक बार फिर से जाली मिश्रा के किरदार में नजर आएंगे, और इस बार वह अरशद वारसी के साथ कोर्ट में भिड़ते हुएदिखेंगे। यह फिल्म 19 सितंबर 2025 को रिलीज़ होने वाली है और इसमें कोर्ट रूम की मस्ती, विवाद, और एक–दूसरे को हराने की जंग होगी।

आर्यन खान की डेब्यू सीरीज द बैड्स आफ बालीवुड का दूसरा गाना तू पहली तू आखिरी रिलीज

आर्यन खान की डेब्यू सीरीज द बैड्स आफ बालीवुड का दूसरा गाना तू पहली तू आखिरी रिलीज हो चूका हैं। इस गाने को टी–सीरीज के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर शेयर किया गया है। यह गाना शाहरुख खान को बहुत पसंद आया है। उन्होंने इसकी तारीफ करते हुए अपना पसंदीदाट्रैक बताया है। यह एक लव सान्ग है, जिसे लक्ष्य और सहर बांबा पर फिल्माया गया है। गाने का म्यूजिक शाश्वत सचदेव ने दिया है। तू पहली तू आखिरी गीत केबोल कुमार ने लिखे हैं। अरिजीत सिंह ने इस रोमांटिक गाने को अपनी सुरीली आवाज से और भी रोमांटिक बना दिया है। इस गाने की तारीफ करते हुए शाहरुख खान ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने इंस्टा स्टोरी में शाश्वत सचदेव की जमकर तारीफ की है। उन्होंनेम्यूजिशियन को जादूगर कहा है। इसके साथ ही उन्होंने इसमें लिखा कि ये उनके पसंदीदा लव सान्गस में से एक बन गया है। रेड चिलीज एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले गौरी खान द्वारा निर्मित द बैड्स आफ बालीवुड का निर्देशन आर्यन खान ने किया है। इसकेबिलाल सिद्दीकी और मानव चौहान सह–निर्माता हैं।

इंग्लैंड में शानदार प्रदर्शन का मोहम्मद सिराज को मिला इनाम

–आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए हुए नामांकित

दुबई,भारत के मोहम्मद सिराज, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और वेस्टइंडीज के जेडन सील्स को सभी प्रारूपों में उनके शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए अगस्त 2025 के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी दिन सिराज के धमाकेदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने द ओवल में छह रनों से नाटकीय जीत हासिल की और पांच मैचों की सीरीज 2–2 से बराबर कर ली. जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में, सिराज ने पूरे दृढ़ संकल्प के साथ गेंदबाजी का नेतृत्व किया. उन्होंने श्रृंखला के आखिरी दो पारियों में 46 से ज्यादा ओवर फेंके. पहली पारी में चार विकेट लिए और दूसरी

पारी में शानदार पांच विकेट लेकर भारत को विदेशी धरती पर एक अविस्मरणीय जीत दिलाई, जिसमें सिराज को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला. दूसरी ओर,मैट हेनरी ने मैच जिताऊप्रदर्शन करते हुए 9.12 की शानदार औसत से 16 विकेट लिए और न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे पर टेस्ट सीरीज 2–0 से जीत ली. हेनरी ने सीरीज के पहले मैच में पहली पारी में 39 रन देकर 6 विकेट लिए, इसके बाद दूसरी पारी में तीन और विकेट लिए और 90 रन देकर 9 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए. उन्होंने दूसरे टेस्ट में भी अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखी और पहली पारी में पांच विकेट लिए और दूसरी पारी में दो और विकेट लिए, जिससे न्यूजीलैंड ने पारी और 359 रनों से जीत हासिल की. वेस्टइंडीज के जेडन सील्स ने वेस्टइंडीज की पाकिस्तान पर ऐतिहासिक वनडे सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई, जो 34 सालों में उनकी पहली ऐसी जीत थी. उन्होंने 10 की औसत और सिर्फ 4.10 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट लिए. पहले वनडे में धीमी शुरुआत के बाद, जहां उन्होंने 59 रन देकर एक विकेट लिया था और टीम हार गई थी, सील्स ने दूसरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने सात ओवरों में तीन विकेट लिए और प्रमुख बल्लेबाज बाबर आजम और सईम अयूब को आउट करके वेस्टइंडीज को सीरीज बराबर करने में मदद की.उनके प्रदर्शन ने एक प्रभावशाली अंत का आधार तैयार किया, जहां उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 18 रन देकर 6 विकेट लिए, जो वनडे इतिहास में किसी भी वेस्टइंडीज गेंदबाज द्वारा किया गया तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था.

नई शुरुआत को लेकर एक्साइटेड रीम शेख, शेयर की पोस्ट

रीम अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखती हैं, नए चैप्टर की शुरुआत। अपनी पोस्ट में ही रीम लिखती हैं, गर्म काफी, गुलाब के फूल और नई शुरुआत पसंद है। बताते चलें कि आज 8 सितंबर को रीम शेख अपना जन्मदिन मनाएंगी। इस बात को लेकर ही वह पोस्ट कर रही हैं। जन्मदिन पर वह जिंदगी के एक नए चैप्टर की शुरुआत करेंगी। रीम शेख के फैंस, सोशल मीडिया यूजर्स ने भी एक्ट्रेस को एडवांस में बर्थ डे विश किया है। रीम शेख के करियर फ्रंट की बात करें तो हाल ही में वह रियलिटी शो लाफ्टर शेफ 2 में नजर आईं। रीम शेख इस साल एक वेब सीरीज द फर्जी लव स्टोरी में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने 6 साल की उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा, जब उन्हें इमेजिन टीवी के धारावाहिक, देवी... नीर भरे तेरे नैना में मुख्य किरदार निभाने के लिए चुना गया। इस भूमिका के लिए उन्हें 2010 में न्यू टैलेंट पुरस्कार भी मिला था। तब से उन्होंने कई टीवी धारावाहिकों में अभिनय किया है; विशेषकर चक्रवर्ती अशोक सम्राट में कौरवाकी के रूप में। वह विभा उत्पादों के लिए 100 से अधिक टीवी विज्ञापनों में भी दिखाई दी है।

भारतीय फुटबॉल टीम ने जीता ब्रॉन्ज मेडल, पेनल्टी शूटआउट में ओमान को 3–2 से हराया

नई दिल्ली,भारतीय फुटबॉल टीम ने सीएएफए नेशंस कप का समापन कांस्य पदक के साथ किया. उन्होंने तीसरे स्थान के मैच में ओमान को पेनल्टी शूटआउट में हराया. सोमवार को ताजिकिस्तान के हिसोर में हुए मुकाबले में निर्धारित समय में 1–1 से ड्रॉ के बाद पेनल्टी शूटआउट हुआ, जहां भारत ने ओमान को पेनल्ट शूटआउट में 3–2 से हराकर जीत हासिल की.उदांता सिंह कुमाम के 80वे मिनट मे हेडर ने याहमदी के गोल की बदौलत 55वे मिनट में ओमान की बढ़त को कम कर दिया. गुरप्रीत सिंह संधू भारत के रक्षक साबित हुए क्योंकि उन्होंने पेनल्टी शूटआउट मे तीन शानदार बचाव किए. फीफा रैंकिंग मे 133वे स्थान पर काबिज भारत का मुकाबला 79वे स्थान पर काबिज ओमान से बराबरी का था. भारतीय टीम ने मैच का पहला बड़ा मौका 16वे मिनट मे बनाया, लेकिन ओमान के गोलकीपर इब्राहिम अल मुखैनी ने अनवर अली के हेडर को गोल में जाने से रोक दिया. ओमान ने अल सबी और नासिर अल खाही के जरिए भी मौके बनाए लेकिन संधू ने पूरी ताकत से गेंद को गोल में जाने से रोक दिया.

किसी भी टीम को हल्के में नहीं लेगी भारतीय टीम

–पाकिस्तान से मैच खेलने को लेकर भारतीय कोच ने बोली बड़ी बात

दुबई,एशिया कप का 17 वां सीजन आज यानी 9 सितंबर से यूएई में शुरू हो गई है. जिसका पहला मैच अफगानिस्तान बनाम हांगकांग के बीच खेला जा रहा है वहीं भारतीय टीम अपने ग्रुप ए अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को दुबई में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ करेगा. उसके बाद 14 को दुबई में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान और 19 सितंबर को अबु धाबी में ओमान के खिलाफ मैच खेलेगा.भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा कि उनकी टीम आगामी पुरुष टी20 एशिया कप अभियान में किसी

भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में नहीं लेगी. मोर्केल ने सोमवार को आईसीसी अकादमी में भारत के अभ्यास सत्र के मौके पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान के बारे में कहा, निश्चित रूप से, उन्होंने (पाकिस्तान) अपनी क्रिकेट में काफी प्रगति की है. उन्होंने हाल ही में अच्छा क्रिकेट खेला है और हम इस चुनौती के लिए उत्साहित हैं. हम निश्चित रूप से उन्हें हल्के में नहीं लेंगे. हम जिन भी विरोधियों के खिलाफ खेलते हैं, उनका सम्मान करते हैं और पाकिस्तान के खिलाफ भी यही बात लागू होगी. उन्होंने आगे कहा, हम अपनी पूरी तैयारी करते हैं. हम जानते हैं कि हमें किस तरह का क्रिकेट खेलना है. जरूरी है कि हम इसी पर ध्यान दें और विरोधी टीम की ज्यादा चिंता न करें. हां, हम उनकी (पाकिस्तान) ताकत का विश्लेषण करेंगे, उनकी कमजोरियों पर गौर करेंगे.दुबई पहुंचने के बाद से भारतीय टीम की तैयारियों पर बात करते हुए मोर्केल ने कहा, अभी तक काफी गर्मी रही है, लेकिन खिलाड़ी अपना पसीना बहा रहे हैं और उनको मजा भी आ रहा है.

संक्षिप्त समाचार

अनुसूचित जाति के लोगों को पट्टे आवंटन न करने पर रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत हल्दूखाता के वार्ड संख्या 33 में रह रहे अनुसूचित जाति के लोगों ने पट्टे आवंटन न किए जाने पर आक्रोश जताया। कहा कि वे लगभग सौ वर्षों से इस क्षेत्र में निवास कर रहे हैं। लेकिन, अभी तक उन्हें पट्टे आवंटित नहीं किए गए।

लोगों ने तहसील प्रशासन के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन में कहा गया कि वे लोग विगत चार पीढ़ियों से हल्दूखाता में निवासरत है। विगत कई वर्षों से वे लोग शासन-प्रशासन से पट्टे आवंटन करने की मांग कर रहे है। कहा कि उनके नाम भूमि दर्ज न होने के कारण उन्हें सरकार के माध्यम से दी जा रही योजनाओं का भी लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने जिलाधिकारी से उन्हें पट्टे आवंटन करने की मांग की है। इस मौके पर दर्शन सिंह, प्रसन्न सिंह, तेज सिंह, वीर सिंह, दया किशोर, आशा देवी, बृजपाल सिंह, फूलचंद, अनीता देवी, मनोज कुमार, विनोद कुमार, कल्पना देवी, नीलम देवी मौजूद रहे।

भूमि स्वामी ने कराया मुकदमा

जयन्त प्रतिनिध। कोटद्वार : कोटद्वार के मोहल्ला काशीरामपुर तल्ला में मुस्लिम समुदाय को भूमि बेचे जाने को लेकर हो रहे विरोध ने नया मोड़ ले लिया है। भूमि क्रेता की ओर से मामले में कई लोगों के खिलाफ कोतवाली में मामला दर्ज करवाया है। आरोप है कि क्षेत्र के तीस-पैंतीस लोगों ने उन्हें न सिर्फ उनके प्लाट पर निर्माण कार्य करने से रोका गया। बल्कि खरीदशुदा भूमि पर ही दफनाने की धमकी दी। पुलिस को दी गई तहरीर में गाड़ीघाट निवासी शबाना का कहना है कि वह बीती पांच सितंबर को जब अपनी खरीदशुदा भूमि में भवन निर्माण के उद्देश्य से मजदूरों को लेकर पहुंची तो वहां पूर्व से मौजूद 30-35 लोगों ने उन्हें व मजदूरों को उनकी खरीदशुदा संपत्ति से बाहर कर दिया। साथ ही उक्त भूमि को बेचने की सलाह देते हुए पुनः भूमि पर न आने को कहा गया। आरोप है कि उक्त लोगों ने उन्हें व उनके मजदूरों को इस भूमि में ही दफनाने की धमकी दी। कहा कि उनकी ओर से 112 नंबर पर काल कर मामले की जानकारी दी गई। इधर, कोतवाली प्रभारी रमेश तनवार ने बताया कि दी गई तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर दिया गया है।

चौरास क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति ठप, लोग परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के चौरास क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति न होने से ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि विगत चार दिनों से पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से नहीं हो पा रही है। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य सांक्रो डॉ. प्रताप सिंह भंडारी ने कहा कि विगत चार दिनों से चौरास क्षेत्र के सांक्रों, संगम विहार, विद्या विहार, डुंगरी, थापली आदि क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति पूर्ण रूप से ठप पड़ी हुई है, जिस कारण लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि इस संबंध में विभागीय अधिकारियों को कई बार समस्या के बारे में बताया गया है, बावजूद भी कोई भी कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई है। उधर, जल संस्थान के अधिशासी अभियंता नरेश पाल ने कहा कि अभी तक उपभोक्ताओं की ओर से कोई भी शिकायत नहीं मिली है। यदि शिकायत मिलती है तो आगामी कार्यवाही की जायेगी। (एजेंसी)

विधायक ने की धान की मड़ाई

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने बीते कई दिनों से आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावितों की हर समस्या के समाधान का भरोसा दिया। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र भ्रमण के दौरान ऊखीमठ के भटवाड़ी गांव में धान की मडाई कर रहे लोगों के बीच जाकर धान की मडाई की। विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि खेती को बढ़ावा देने के लिए हमें किसानों के मनोबल को भी मजबूत करना होगा। कहा कि वे स्वयं खेती को पहाड़ की रीड़ मानती है। इसलिए जहां भी खेतों में किसान काम करते दिखते हैं वे सीधे उनके बीच जाकर उन्हें प्रोत्साहित करती है। मंगलवार को उन्होंने भटवाड़ी गांव में ग्रामीणों के साथ कुछ देर धान की मडाई की। (एजेंसी)

हवा हो गई योजना, पार्किंग बनी सड़क

कुछ वर्ष पूर्व नगर निगम ने शहर में चिह्नित किए थे पार्किंग स्थल योजना के धरातल पर नहीं उतरने से सड़कों पर बिगड़ रही व्यवस्था

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर की सड़कों पर लगातार वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है। लेकिन, इन वाहनों के लिए कहीं भी पार्किंग की व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। पूर्व में नगर निगम ने शहर में पार्किंग स्थलों को चिह्नित किया था। बकायदा इन स्थानों पर पार्किंग शुल्क भी चस्पा किए गए। लेकिन, कई माह बीत जाने के बाद भी नियम की यह योजना धरातल पर नहीं उतर पाई। नतीजा, शहर की सड़कों पर बेतरतीब तरीके से पार्क किए गए वाहन यातायात व्यवस्था में बाधा बन रहे हैं। साथ ही पैदल चलने वालों को भी दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में हर दूसरे दिन एक नया वाहन सड़क पर उतर रहा है। यही कारण है कि

कोटद्वार के नजीबाबाद रोड में सड़क पर खड़े वाहन

शहर की सड़कों पर लगातार वाहनों का दबाव बढ़ता जा रहा है। बाजार में इन वाहनों को खड़ा करने के लिए पार्किंग व्यवस्था तक उपलब्ध नहीं है। तमाम आश्वासनों के बाद भी सरकारी सिस्टम पार्किंग स्थल मुहैया नहीं करवा पा रहा। नतीजा, बाजार आने वाले अधिकांश दोपहिया व चौपहिया वाहन चालक अपने वाहनों को सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़ा कर देते हैं। सफेद पट्टी के बाहर खड़े वाहनों के कारण राहगीरों को बीच सड़क से होकर गुजरना पड़ता है। ऐसे में जहां पूरे दिन सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं, दुर्घटनाओं का भी अंदेशा बना रहता है। सबसे बुरी स्थिति सड़क किनारे सरकारी संस्थानों के बाहर बनी रहती है। त्योहार सीजन में व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी हो जाती है। ऐसे में शहरवासी प्रशासन व नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करते रहते हैं। पूर्व सैनिक सहित अन्य सामाजिक संगठन लगातार पार्किंग व्यवस्था की मांग उठाते हुए आ रहे हैं।

यह स्थल हुए थे चिह्नित

शहरवासियों की मांग के बाद कुछ वर्ष पूर्व नगर निगम ने निजी वाहनों की पार्किंग के लिए देवी रोड पशु चिकित्सालय के समीप खाली पड़ भूमि को चिह्नित किया था। लेकिन, यह योजना भी ठंडे बस्ते में चली गई। इसके उपरांत जब बाजार में नगर निगम ने स्थाई अतिक्रमण को हटाया था तो सड़क किनारे पार्किंग स्थल बनाने की बात कही। लेकिन, यह योजना भी धरातल पर नही उतर पाई। इसके उपरांत नगर निगम ने बद्रीनाथ मार्ग स्थित प्रेक्षागृह के निचले तल के साथ ही तहसील के बाहर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे, नजीबाबाद रोड में सड़क किनारे सहित अन्य स्थलों को पार्किंग स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई। बकायदा प्रेक्षागृह के निचले तल में पार्किंग शुल्क भी चस्पा किया गया था। लेकिन, यह योजना भी केवल हवाई साबित हुई।

सरकारी भूमि अतिक्रमण मुक्त नहीं करने पर रोष

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : उत्तराखंड विकास समिति ने सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त न किए जाने पर आक्रोश जताया। कहा कि कोटद्वार क्षेत्र में सैकड़ों हेक्टेयर भूमि अतिक्रमण की जद में है। लेकिन, अभी तक सरकारी भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया गया है।विकास समिति की ओर से उपजिलाधिकारी सोहन सिंह के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया गया। कहा कि वर्तमान में जहां वन भूमि अतिक्रमण की जद में है, वहीं अन्य सरकारी भूमि पर भी कब्जे हो रखे हैं। कहा कि अतिक्रमणकारियों द्वारा सरकारी जमीन भूमि पर बाहरी प्रदेशों से आए लोगों की बसागत की जा रही है। कहा कि सरकार अतिक्रमण हटाओ अभियान तो चलाती है। लेकिन, दबंग लोगों के भवनों को छोड़ दिया जाता है। उन्होंने शासन-प्रशासन से सरकारी जमीनों पर तत्काल अतिक्रमण हटाए जाने की मांग की है। इस मौके पर जानकी बल्लभ मैंदोला, गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, विपुल उनियाल, दुर्गाप्रसाद दूबे, शशिमोहन उनियाल, सावित्री रावत मौजूद रहे।

भाजपा पार्षद एकजुट होकर करें अपनी भूमिका का निर्वहन

श्रीनगर गढ़वाल : भाजपा श्रीनगर मंडल कार्यालय में मंगलवार को नगर निगम भाजपा पार्षदों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्षदों को नगर निगम में उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। बैठक से पूर्व पार्षदों ने जिला महामंत्री गणेश भट्ट का स्वागत और अभिनंदन किया। इस दौरान गिरीश पैन्यूली को जिला उपाध्यक्ष और सीमा भंडारी को जिला सोशल सह मीडिया प्रभारी बनाए जाने पर जिला अध्यक्ष कमल किशोर रावत, जिला प्रभारी ऋषि कंडवाल, कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी, प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया।

बैठक में पौड़ी जिले के नवनियुक्त जिला महामंत्री गणेश भट्ट ने कहा कि भाजपा के चुनाव चिन्ह पर विजयी हुए पार्षद अपने वार्ड के प्रति समर्पित रहते हुए सदन में पार्टी की नीतियों को मजबूती और अपनी भूमिका का निर्वहन एकजुट होकर करें। मंडल अध्यक्ष विनय घिल्डियाल ने कहा कि नगर निगम से जुड़े विषयों पर यदि किसी प्रकार की सहमति या असहमति बने तो सभी पार्षद एकजुट होकर सदन के नेता शंकर मणि मिश्रा से विचार-विमर्श करने के बाद ही निर्णय लें। भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष सुधीर जोशी ने कहा कि नगर निगम में यह स्पष्ट झलकना चाहिए कि भाजपा पार्षदों के बिना कोई भी विकास कार्य संभव नहीं है।

सदन नेता शंकर मणि मिश्रा ने कहा कि सभी पार्षद अपने वार्ड के प्रति समर्पित रहने के साथ-साथ भाजपा की एकजुटता का परिचय भी नगर निगम के सदन में देने का काम करेंगे। यदि नगर निगम का कहीं पर कोई निर्णय गलत होता है तो उसका सब मिलकर पूरजोर विरोध भी करेंगे।

स्थानीय स्तर पर समस्याओं का निदान करने हेतु अधिकारियों की टीमें गठित

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत क्षेत्रीय जनता की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही निराकरण करने के उद्देश्य से जनपद स्तरीय अधिकारी विभिन्न ग्राम पंचायतों का स्थलीय भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान अधिकारी ग्रामीणों की समस्याओं का निदान करने के साथ ही सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत कराएंगे। तीन सदस्यीय अधिकारियों की टीम के लिए जिलाधिकारी प्रतीक जैन के निर्देशन में माह-सितंबर हेतु रोस्टर जारी किया गया है।मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि माह-सितंबर हेतु जारी रोस्टर के अनुसार जनपद में तैनात नवनियुक्त उप वन संरक्षक रजत सुमन, जिला सूचना अधिकारी वीरेश्वर तोमर एवं जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉ. दीपा तिलारा विकासखंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत मदोला का स्थलीय निरीक्षण करने के साथ ही ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। इसी तरह अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, उप निदेशक खान वीरेंद्र कुमार एवं पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ग्राम पंचायत भैंसगांव, उप जिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया, अधिशासी अभियंता विद्युत मनोज कुमार व तहसीलदार जखोली बीएल शाह विकासखंड जखोली की ग्राम पंचायत डोभा जाखाल का स्थलीय निरीक्षण कर सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से ग्रामीणों को अवगत कराएंगे।

आपदा प्रभावित वाहन स्वामियों को कर में मिलेगी राहत

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जनपद में हाल ही में आई दैवीय आपदा के बाद क्षतिग्रस्त हुए वाहनों के दस्तावेजों को परिवहन कार्यालय में समर्पित किए जाने की प्रक्रिया जारी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कुलवंत सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि आपदा में क्षतिग्रस्त हुए और संचालन योग्य न रह गए व्यावसायिक वाहनों के स्वामी अपने वाहन से संबंधित समस्त दस्तावेज शीघ्रता से परिवहन कार्यालय में समर्पित करें। ऐसा करने से उन्हें वाहन कर की देयता से राहत मिल सकेगी। उन्होंने जनपद के सभी वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे स्थिति की गंभीरता को समझते हुए समय रहते आवश्यक कार्रवाई करें, जिससे भविष्य में अनावश्यक आर्थिक भार से बचा जा सके।

डेंगू पसार रहा पैर, लापवाही न पड़ जाएं भारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में लगातार डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। बावजूद आमजन सर्तक नहीं हो रहा। हालत यह है कि नगर निगम के छापेमारी के दौरान कई लोगों के घरों में प्रतिष्ठानों में गमलों व अन्य स्थानों पर जमा पानी मिल रहा है। ऐसे में जरा सी लापरवाही जीवन पर भारी पड़ सकती है।

दिन बढ़ने के साथ ही क्षेत्र में डेंगू के मरीज भी बढ़ रहे हैं। पिछले एक सप्ताह में डेंगू के बारह से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। सोमवार को भी एक महिला में डेंगू की पुष्टि हुई, जिसे चिकित्सालय में भर्ती किया गया। डेंगू के बढ़ते मामलों के बीच नगर निगम की तरफ से डेंगू से बचाव के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इस

कोटद्वार का बेस अस्पताल जहां डेंगू से उपचार की व्यवस्था बनाई गई है

क्रम में वार्डों में फागिंग करवाई की जा रही है। साथ ही नगर निगम की एक विशेष टीमें भी वार्डों में जाकर लोगों को जागरूक कर रही हैं। लोगों से अपने प्रतिष्ठानों व आवासों के साथ ही आसपास के क्षेत्र में भी पानी को एकत्र न होने देने की अपील की जा रही है। जिन दुकानों, घरों में एकत्र पानी में डेंगू का लार्वा मिल रहा है, लार्वा को नष्ट करने के साथ ही दुकान अथवा भवन स्वामी के खिलाफ चालान की कार्यवाही की जा रही है। निगम के तमाम प्रयासों के बाद भी आमजन डेंगू को लेकर जागरूक नहीं हो रहा। हालात यह है कि प्रतिदिन चैकिंग के दौरान घरों व दुकानों में एकत्र पानी में डेंगू लार्वा मिल रहे हैं। सोमवार को सहायक नगर आयुक्त अजय अष्टवाल के नेतृत्व में गठित टीम ने पचास आवासों में जांच की, जिसमें से पांच आवासों में एकत्र पानी में डेंगू लार्वा पाया गया। मामले में भवन स्वामियों के खिलाफ चालान की कार्यवाही करते हुए 2500 का जुर्माना वसूला गया।

शौचालयों की नियमित सफाई पर दें ध्यान : महापौर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने शहर में सार्वजनिक शौचालयों व ट्रेंचिंग ग्राउंड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से शौचालयों की सफाई करने के निर्देश दिए। कहा कि अधिकारी स्वयं समय-समय पर सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति का जायजा लेते रहे। इस दौरान उन्होंने आमजन से भी सफाई-व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग की अपील की। कहा कि स्वच्छ व स्वस्थ कोटद्वार निर्माण की जिम्मेदारी हम सभी की है।

मंगलवार को महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने नगर आयुक्त पीएल शाह सहित अन्य अधिकारियों के साथ सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को शौचालयों में पर्याप्त पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कहा कि सार्वजनिक शौचालयों में पानी के लिए अतिरिक्त टंकियां लगाए। जिससे

कोटद्वार में सार्वजनिक शौचालय निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते महापौर शैलेंद्र सिंह रावत

जनता को बेहतर सुविधा मिल सकें। उन्होंने समय-समय पर शौचालयों की सफाई करने की भी बात कही। कहा कि नगर निगम सफाई कर्मियों को इसकी जिम्मेदारी सौंपें। इसके उपरांत महापौर ने लकड़ीपड़ाव स्थित ट्रैचिंग ग्राउंड का भी निरीक्षण किया। कहा कि एकत्रित कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाना चाहिए। साथ ही पर्यावरण संरक्षण पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

दो साल से बदहाल च्वींचा गांव जाने वाला मार्ग, लोग परेशान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : शहर में वार्ड नंबर तीन में च्वींचा गांव से वाल्मीकि बस्ती, बीआर मॉडर्न स्कूल सहित एजेंसी चौक जाने वाले मार्ग की स्थिति खस्ताहाल बनी हुई है। जिस कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बीते दो साल से मार्ग की स्थिति बदहाल बनी हुई है। कई बार नगर पालिका प्रशासन को शिकायत करने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

स्थानीय निवासी त्रिलोक सिंह, शिवानी रावत आदि ने बताया कि मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे होने से दोपहिया वाहन चालकों, पैदल यात्री और स्कूली छात्र-छात्राओ को हर दिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालत यह है कि मार्ग पर सुरक्षा के लिए लगाई गई रेलिंग भी जगह-जगह उखड़ चुकी है और रास्ते में बनी पुलिया में भी सुरक्षा मानकों का ख्याल नहीं रखा गया है। जिस कारण लोग जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने को मजबूर है। कहा कि इस मार्ग पर कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। बताया कि मार्ग की बदहाली को लेकर कई बार नगर पालिका के चक्कर काट चुके हैं, लेकिन नगर पालिका ने अब तक मार्ग के निरीक्षण तक की जहमत नहीं उठाई। कहा कि 15 दिन के भीतर मार्ग की सुध नहीं लिए जाने पर वार्डवासी नगर पालिका के बाहर धरना देंगे।

जनपद में 16 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मनाया जायेगा सेवा पखवाड़ा

बहुउद्देशीय शिविर व जनजागरूकता अभियानों से आमजन को मिलेगा योजनाओं का लाभ

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट एनआईसी के वीसी कक्ष में सेवा पखवाड़ा मनाए जाने के संबंध में बैठक आयोजित हुई। यह सेवा पखवाड़ा 16 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक जनपदभर में मनाया जाएगा। बैठक में सेवा पखवाड़े को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी गईं और जनहितकारी गतिविधियों की रूपरेखा तय की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि सेवा पखवाड़ा समाज के हर वर्ग को जोड़ने और सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का एक सुनहरा अवसर है। सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि शिविरों और कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिले। उन्होंने सभी अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने और सेवा पखवाड़े को सफल एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती को दृष्टिगत रखते हुए इस पखवाड़े में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके तहत जनपद में बहुउद्देशीय शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल स्थापित किए जाएंगे।

इन शिविरों का उद्देश्य आम जनता को योजनाओं की जानकारी देना और अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करना है। उन्होंने कहा कि इस पूरे कार्यक्रम में स्वच्छता पर विशेष बल दिया जाएगा और समाज के हर वर्ग को इससे जोड़ा जाएगा। बैठक में जिलाधिकारी ने नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को सभी वार्डों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान को केवल औपचारिकता न मानकर इसे एक जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाए, ताकि जनता भी सक्रिय रूप से इसमें भाग ले। स्वास्थ्य सेवाओं को ध्यान में रखते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य शिविर लगाने और स्वास्थ्य संबंधी जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने शिविर के माध्यम से लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

साथ ही विभिन्न बीमारियों की रोकथाम और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने को लेकर भी जन जागरूकता के प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को विद्यालयों में वाद–विवाद प्रतियोगिता, निबंध लेखन, चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, जिला विकास अधिकारी के.के. पंत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता, मुख्य शिक्षा अधिकारी धर्म सिंह रावत सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विज्ञान संगोष्ठी में राइंका देवप्रयाग की खुशी ने मारी बाजी

पौड़ी : कोट ब्लॉक की ब्लॉक स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी राजकीय इंटर कॉलेज खोलाचौरी में हुई। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश आर्य ने विज्ञान सेमिनार में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं के व्याख्यान विचार को भविष्य के बाल वैज्ञानिकों की ओर अग्रसर होने का बढ़ता प्रभाव बताया। विज्ञान संगोष्ठी के मुख्य अतिथि अभिभावक शिक्षक संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह नेगी ने छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करने में विज्ञान संगोष्ठी के साकारात्मक प्रभाव की चर्चा की। उन्होंने आयोजन को छात्र-छात्राओं हेतु भविष्य की सफलता के लिए महत्वपूर्ण बताया। संगोष्ठी में राइंका देवप्रयाग की खुशी ने पहला, राइंका खोलाचौरी की प्रिया शाह ने दूसरा व राइंका देवप्रयाग की अंजली रावत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर विज्ञान संगोष्ठी के ब्लाक कॉर्डिनेटर रश्मि सेमवाल, निर्णायक लक्ष्मी राणा, ममता उनियाल, अजय कर्नाटक, गीता भंडारी, मीनाक्षी, वंदना शाह, वंदना ध्यानी, भारत प्रकाश भट्ट, रंजन रावत, विपिन कुमार आदि मौजूद थे।

सूचना

मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम पुतली दर्ज है जो कि गलत है, जबकि मेरा सही नाम आईजेक (ISSAC) पुत्र श्री हसमत उल्ला है। भविष्य में मुझे आईजेक पुत्र श्री हसमत उल्ला निवासी मोहल्ला मालवीय बाजार, पो. हनुमन्ती, दुगड्डा रेंज, पौड़ी गढ़वाल, दुगड्डा, उत्तराखण्ड, पिन 246127 के नाम से जाना जाये।

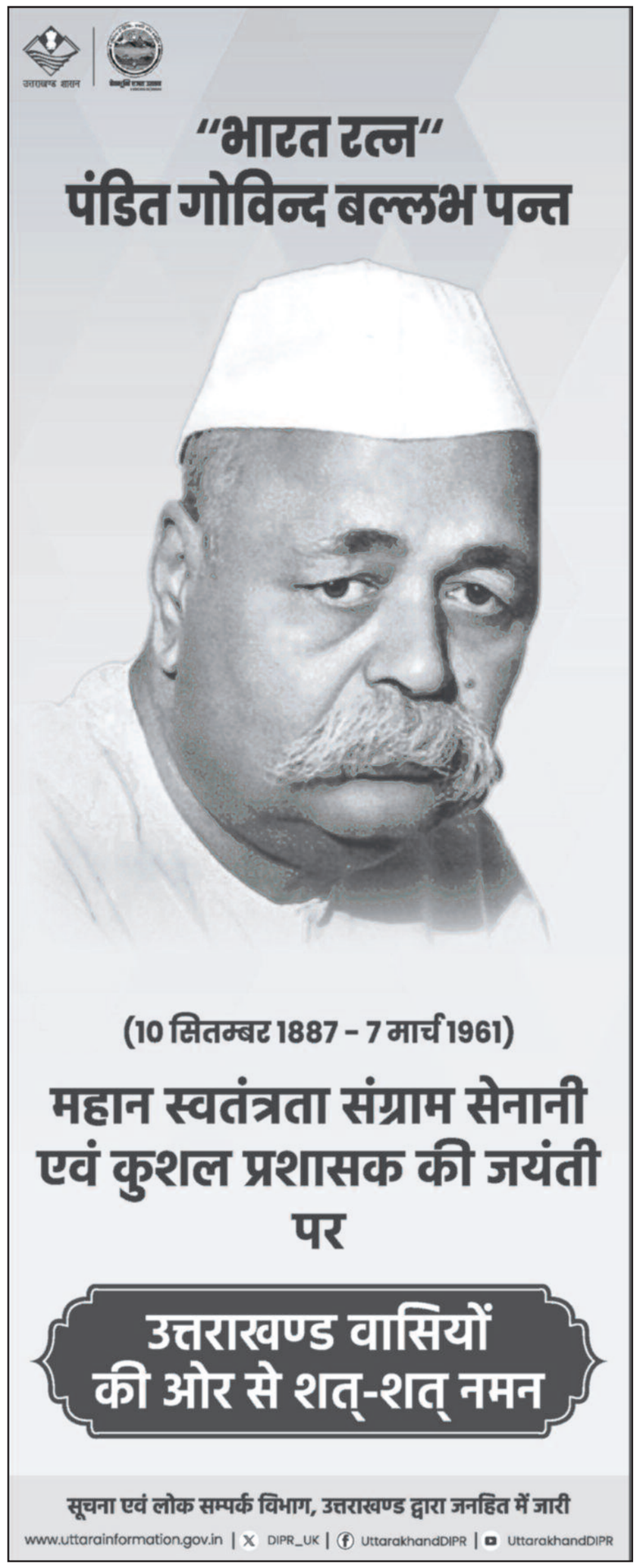

संक्षिप्त समाचार

शिक्षण संस्थानों में बढ़ती नशे की स्थिति को बताया चिंताजनक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के डा. बीजीआर परिसर में युवाओं में बढती नशाखोरीः समस्या और समाधान पर एक विमर्श विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि प्रो. संजीव शर्मा ने पाश्चात्य संस्कृति की अपरायोज्यता व नशे जैसी दुर्बलताओं के उपाय राष्ट्रीय संस्कृति की में खोजने का आह्वान किया।

सोमवार को पौड़ी परिसर में आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो. संजीव शर्मा ने किया। मुख्य वक्ता प्रो. दुर्गा कांत चौधरी ने नशे के बहुआयामी प्रकृति और नशे की रोकथाम के मापदंडों को समझते हुए शिक्षण संस्थानों में नशे की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। राजनीति विज्ञान के प्रो. एमएम सेमवाल ने युवाओं में नशे की लत की तथ्यवार चर्चा करते हुए इसके मानव तस्करी, सड़क दुर्घटनाओं आदि समस्याओं की जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश में नशे के विरुद्ध 70 के दशक के आंदोलन, टिंचरी माई द्वारा आंदोलन व 1984 गढ़वाल शराब विरोधी आंदोलन जैसे आंदोलनों की वर्तमान आवश्यकता पर बल देते हुए कार्यक्रम में महत्वपूर्ण चर्चा का आह्वान किया। इस मौके पर परिसर निदेशक प्रो. यूसी गैरोला, संगोष्ठी के संयोजक डा. मनोज कुमार, प्रो. अतुल कुमार डोबरियाल, डा. राकेश नेगी, प्रो. राजेश डंगवाल, डा. निशु भाटी, प्रो. रेहाना जैदी, प्रो. पीपी बडोनी आदि मौजूद रहे।

टीईटी अनिवार्यता मामले में पुनर्विचार याचिका दाखिल करे सरकार

देहरादून।एससी एसटी शिक्षक एसोसिएशन ने टीईटी अनिवार्यता मामले में सरकार से पुनर्विचार याचिका दाखिल करने की मांग की है। इसे लेकर एसोसिएशन ने शिक्षा मंत्री और महानिदेशक शिक्षा को ज्ञापन भेजा है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार टम्टा ने कहा कि 2010 से पूर्व प्रारंभिक शिक्षा में टीईटी की अनिवार्यता नहीं थी। इससे पूर्व नियुक्त शिक्षक तत्कालीन अर्हताएं पूरी करते हुए नियुक्त हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से प्रदेश के लगभग 12,000 शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। इससे उनकी सेवा, पदोन्नति आदि प्रभावित हो रही है। इस फैसले से शिक्षकों में मानसिक तनाव बढ़ रहा है, जो शिक्षा व्यवस्था को भी प्रभावित करेगा। उत्तराखंड में भी कई शिक्षक अवसाद एवं चिंता से ग्रस्त हैं, यदि तत्काल राहत नहीं दी गई तो ऐसी घटनाएं यहां भी दोहराई जा सकती हैं। शिक्षक के कार्य का मूल्यांकन प्रतिवर्ष परीक्षाफल के माध्यम से होता है। इतनी लंबी सेवा के बाद शिक्षकों द्वारा पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रम से बाहर पुनः उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए बाध्य करना अनुचित है। एसोसिएशन ने 12,000 शिक्षकों और उनके परिजनों की स्थिति को देखते हुए शीघ्र ही विभाग की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करते हुए शिक्षकों को राहत प्रदान करने की मांग की है।

निजी फिटनेस सेंटरों में हो रही जमकर वसूलीः आर्य

देहरादून नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने आरोप लगाया कि उत्तराखंड में परिवहन विभाग के निजी फिटनेस सेंटरों पर जमकर वसूली की जा रही है। यहां लोगों से निर्धारित फीस से तीन गुना तक उगाही की जा रही है। इतना ही नहीं, यह कार्य एक निजी कंपनी को सौंप दिया गया है, जो अपनी मनमानी से शुल्क वसूल रही है। वाहन चालकों का कहना है कि कोई निर्धारित मानक या प्रक्रिया नहीं है होने के कारण छोटे वाहन चालकों को मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान किया जा रहा है। मंगलवार को मीडिया को जारी बयान में आर्य ने कहा कि अचानक और अत्यधिक बढ़ोतरी से व्यावसायिक और निजी वाहन स्वामियों के बीच व्यापक चिंता और आक्रोश व्याप्त है। वाहन मालिक चाहते हैं कि फिटनेस की प्रक्रिया फिर से सरकार के अधीन हो और उनके स्थानीय सुविधा को बहाल किया जाए। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर पहले स्थानीय आरटीओ कार्यालय में ही फिटनेस की प्रक्रिया आसानी से हो जाती थी, लेकिन अब यह काम निजी हाथों में जाने से वाहन मालिकों को अन्य शहरों तक जाना पड़ रहा है। फिटनेस के लिए दूसरे शहर जाने का मतलब है डीजल–पेट्रोल का अतिरिक्त खर्च और पूरे दिन का समय बर्बाद होना। पहले से ही टोल, टायर, ईंधन आदि की बढ़ती कीमतों से परिचालन लागत बढ़ने से ट्रेड अस्थिर हो चुका है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार को प्रस्तावित निर्णय पर पुनर्विचार करते हुए, इसे वापस लेना चाहिए, अन्यथा स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है,

छेनागाड़ में आपदा के बाद युद्ध स्तर पर राहत-बचाव कार्य जारी

जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने किया ग्राउंड जीरो का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जनपद रुद्रप्रयाग के बसुकेदार क्षेत्र अंतर्गत छेनागाड इलाके में 28 अगस्त की रात को आई भीषण दैवीय आपदा के बाद से जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन एजेंसियों और विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी हैं। आपदा के कारण कई स्थानों पर भारी नुकसान हुआ है, जिसके चलते सड़क मार्ग टूट गए हैं, संचार संपर्क बाधित हुआ है और 8 लोग लापता हुए है। दैवीय आपदा के बाद प्रशासन की मुस्तैदी और चल रहे कार्यों की जमीनी हकीकत का जायजा लेने के लिए रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी प्रतीक जैन स्वयं ग्राउंड जीरो पर पहुंचे। उन्होंने छेनागाड़ क्षेत्र में चल रहे राहत व बचाव अभियानों का निरीक्षण किया और मौके पर कार्यरत एसडीआरएफ, एनडीआरएफ व डीडीआरएफ की टीमों का मनोबल बढ़ाया। जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि भारी बारिश और भू-स्खलन के कारण मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं, जिससे राहत कार्यों में कठिनाई हो रही है। इसके बावजूद सभी एजेंसियां पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ लापता लोगों की खोज और प्रभावितों की सहायता में जुटी हुई हैं। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि छेनागाड को जोड़ने वाले मार्ग को शीघ्र अति शीघ्र बहाल किया जाए। उन्होंने बताया कि दो स्थान ऐसे हैं जहां कार्य में अत्यधिक बाधाएं आ रही हैं, लेकिन फिर भी प्रशासन का लक्ष्य है कि आगामी दो से तीन दिनों में मार्ग को चालू कर दिया जाए, ताकि भारी मशीनें राहत स्थल तक पहुंच सकें और खोज कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

बोल्डरों से राहत कार्यों में चुनौती, हेवी मशीनों की तैनाती जल्द

छेनागाड़ क्षेत्र में बड़े-बड़े बोल्डर राहत कार्यों में सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आ रहे हैं। जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि इन बोल्डरों को हटाने के लिए भारी मशीनरी हेवी एक्सकैवेटर ब्रेकर की आवश्यकता है और इसके लिए मार्ग को हर हाल में जल्द से जल्द बहाल करना प्राथमिकता है। डीएम ने कहा कि मार्ग निर्माण कार्य में कोई देरी न हो और सभी संसाधनों को झोंक दिया जाए, ताकि बोल्डरों को हटाकर राहत कार्यों में तेजी लाई जा सके। उन्होंने बताया कि बोल्डरो को हटाने के लिए बिस्फोटको का उपयोग करना अंतिम विकल्प होगा जरूरत पड़ती है तो इसे अंतिम विकल्प के रूप में उपयोग किया जाएगा।

सीएम स्वयं कर रहे हैं राहत कार्यों की मॉनिटरिंग

जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री स्वयं इस आपदा राहत अभियान की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने जनपद रुद्रप्रयाग में आई इस आपदा के मद्देनजर विशेष पुनर्निर्माण पैकेज के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा है।

लोगों ने जल संस्थान कार्यालय का किया घेराव

नई टिहरी : तीर्थनगरी देवप्रयाग नगर पालिका की धनेश्वर वार्ड में बीते तीन माह से पेयजल संकट बना हुआ। पानी न आने से गुस्साए लोगों ने जल संस्थान कार्यालय का घेराव करते हुए नारेबाजी करते हुए जुलुस प्रदर्शन किया। लोगों ने शीघ्र जलापूर्ति बहाल ना होने पर विभागीय कार्यालय में तालाबंदी की चेतावनी दी है।

मंगलवार को जलापूर्ति न होने से गुस्साए धनेश्वर वार्ड के लोगों ने जल संस्थान कार्यालय तक जमकर नारेबाजी करते जुलूस निकाला। वार्ड के लोगों का कहना है कि, जल संस्थान पिछले तीन माह से लगातार जलापूर्ति सुचारु करने का आश्वासन दे रहा है मगर अभी तक भी यहां पेयजल किल्लत से सभी की जूझना पड़ रहा है। बताया कि वार्ड वासी दो किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर हैं। पौड़ी जिला स्थित धनेश्वर वार्ड के बाह बाजार, रैड, सौड गांव के लोग सभासद विमल मिश्रा की अगुवाई में जल संस्थान कार्यालय तक नारेबाजी करते पहुंचे। आक्रोशित वार्डवासियों ने कहा कि कई बार शिकायत व ज्ञापन दिये जाने के बावजूद पेयजल समस्या जस की तस बनी है। पानी को लेकर उनका दैनिक जीवन खासा प्रभावित है। सभासद मिश्रा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि दो दिनों में वार्ड में पानी की आपूर्ति सुचारु नहीं होती है तो वह जल संस्थान कार्यालय पर तालाबंदी के साथ ही आमरण अनशन को बाध्य होंगे। प्रदर्शन में पूर्व प्रधान उत्तम सिंह, सजन सिंह, प्रदीप मिश्रा, सुरेंद्र कुमार, विनोद मिश्रा, चुन्न भट्ट, कुसुम देवी, लाली देवी आदि शामिल रहे। आयुषी वर्मा सहायक अभियंता जल संस्थन देवप्रयाग ने बताया कि वार्ड- 4 में पेयजल संकट दूर करने के लिए नई लाइन बिछाई जाएगी। इस दौरान लोगों के लिए मेन लाइन से आपूर्ति की जाएगी। (एजेंसी)

पुलिस ने बिछुड़ी वृद्धा को परिजनों से मिलाया

रुद्रप्रयाग : परिजनों से बिछुड़ी वृद्धा को पुलिस ने परिजनों से मिलवाया। परिजनों ने इसके लिए उत्तराखंड पुलिस का आभार जताया। बीती रात केदारनाथ धाम में सांयकालीन आरती के बाद एक नेपाली पिट्ठू वाले मजदूर ने केदारनाथ पुलिस को बताया कि उसके साथ एक वृद्ध माता आई है जिनको वह गौरीकुण्ड से लेकर आया है।

पुलिस सहायता में नियुक्त पुलिस बल द्वारा बुजुर्ग माता से वार्तालाप कर जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि वे अपने पति व पुत्री के साथ आई हैं किंतु उनके पास किसी का भी मोबाइल नम्बर नहीं है और इनके पास कोई फोन भी नहीं है। पुलिस ने मंदिर परिसर से अनाउंसमेंट कराया गया किंतु किसी के द्वारा पुलिस से सम्पर्क नहीं किया गया। इस बीच बढ़ती ठंड से बुजुर्ग माता का स्वास्थ्य भी खराब होने लगा। पुलिस बल द्वारा उन्हें केदारनाथ चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जबकि परिजनों की ढूंढ खोज की गई। चौकी केदारनाथ पुलिस ने वृद्धा के पते पर आधार पर दिल्ली पुलिस से सम्पर्क स्थापित किया जबकि उनका फोटो दिल्ली पुलिस के कार्मिकों को उपलब्ध कराया गया। उनके द्वारा भी संवेदनशीलता दिखाते हुए संबंधित क्षेत्र के बीट कान्सटेबल की सहायता से इस बुजुर्ग माता की पुत्री सविता का नम्बर लिया गया, जिस पर पुलिस के स्तर से प्राप्त हुए मोबाइल नम्बर पर काफी बार कॉल करने पर इनके द्वारा अपने फोन का रिसीव कर स्वयं को केदारनाथ क्षेत्र में होना बताया गया। पुलिस टीम ने वृद्धा की वास्तविक लोकेशन भेजकर उन्हें चिकित्सालय में बुलाते हुए उनसे मिलवाया। परिजनों में मुलाकात कर बुजुर्ग माता सावित्री देवी, उनकी पुत्री सविता व उनके पति निरंजन लाल निवासी मादीपुर दिल्ली ने उत्तराखंड पुलिस का आभार जताया। (एजेंसी)

छात्रों और शिक्षकों को बताएं विधिक अधिकार

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी गढ़वाल के निर्देश पर मंगलवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज श्रीनगर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को उनके विधिक अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया। इस मौके पर सिविल जज अलका, बार एशोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेश चन्द्र जोशी, संरक्षक अनूप श्री पांथरी, सचिव बह्मनन्द भट्ट, विद्यालय की प्रधानाचार्य सुमनलता पंवार, मुकेश काला, मुकेश बहुगुणा, शालिनी, रेखा नेगी, भीमराज बिष्ट आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

बांध प्रभावित ग्रामीणों का किया जाए पुनर्वास

नई टिहरी : टिहरी बांध प्रभावित सौड़ उप्पू के ग्रामीणों ने लंबे समय बाद भी पुनर्वास की मांग पूरी न होने पर रोष व्यक्त किया। कहा कि टिहरी बांध की झील के कारण उनके घरों को खतरा बना हुआ है। लेकिन लंबे समय से मांग करने के बाद भी उनके भवनों को मूल्यांकन तक नहीं हुआ है। बांध प्रभावित ग्रामीणों ने भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री राजेंद्र जुयाल के नेतृत्व में पुनर्वास निदेशक से मुलाकात कर समस्याएं बताई। उन्होंने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि झील के कारण गांव के 30-35 परिवारों को खतरा बना हुआ है। झील का पानी घरों के नजदीक आने के कारण घरों में दरारें पड़ गई है। जिससे ग्रामीण खतरे की जद में रहने को मजबूर है। साथ ही झील से घरों में सांप, बिच्छू से लेकर अन्य जहरीले जीव-जंतु भी घुस आते हैं।

जिला पंचायत की प्रथम बैठक और समिति गठन पर जताई आपत्ति

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : नौ जिला पंचायत सदस्यों ने जिला पंचायत की प्रथम बैठक और समिति गठन पर आपत्ति जताई है। सदस्यों ने आरोप लगाते हुए कहा कि मनमानी कर समितियों का गठन किया गया है।

जिला पंचायत सदस्य महेन्द्र सिंह राणा, शिवचरण नौडियाल, प्रमिला बलूनी, श्रीमती कमला देवी, वन्दना रौथाण, चन्द्रभानु, बुद्धि सिंह, श्रीमती ज्योति, श्रीमती दीपिका ईष्टवाल ने पंचायती राज निदेशक श्रीमती निधि यादव को मिलकर आपत्ति एवं विरोध दर्ज कराया। कहा कि जिला पंचायत की प्रथम बैठक केवल परिचय एवं कार्यकारिणी से संबंधित सामान्य चर्चा हेतु निर्धारित थी, परंतु बैठक उपरांत यह कहा गया कि पंचायत की छह समितियों का गठन किया जाएगा। इसके पश्चात बिना किसी सरकारी आदेश एवं बिना खुली बैठक में घोषणा किए, अलग से व्यक्तियों को बुलाकर समितियों के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। जबकि समितियों के गठन के लिए शासन से आदेश जारी होना आवश्यक है। इस प्रकार की कार्यवाही नियमों के प्रतिकूल एवं मनमानी कही जाएगी।

डीएम बंसल ने किया डे–केयर सेंटर निरीक्षण

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने आज सर्वे चौक स्थित डे–केयर–सेंटर का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। इस दौरान उन्होंने सेंटर में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का जायजा लिया और बच्चों की देखभाल एवं पोषण व्यवस्था की जानकारी प्राप्त करते हुए सेंटर को हाईटैक बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि नौनिहाल हमारे समाज के सूद हैं और न इनको सुरक्षित एवं शिक्षा का माहौल देने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि शहर के बीचो–बीच बने इस डे–केयर–सेंटर को आधुनिक सुविधासम्पन्न बनाना है, जिससे शहर के कामकाजी अभिभावक महिलाएं इसका लाभ ले सके। उन्होंने सेन्टर में स्मार्ट टीवी, बच्चों हेतु ज्ञान वर्धक कामिक्स, किताब, वाईटबोर्ड, लाईब्रेरी कार्नर बाला फर्नीचर, आदि वस्तुएं रखी जाए जिससे बच्चे खेल–खेल में शिक्षा के साथ ही विभिन्न एक्टिविटी से जुड़े रहें। उन्होंने कहा कि सेंटर की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु जिला योजना से बजट की स्वीकृति। उन्होंने बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए किए आधुनिक डे–केयर सेंटर हेतु जो भी आवश्यकता हो उसी सूची बनाएं। विगत वर्ष 58 आगंबाड़ी केन्द्रों को होईटैक करते हुए एलपीजी, बिजली कनैक्शन, बालाफर्नीचर, डिजिटल लर्निंग सुविधा, लाईब्रेरी कार्नर, शिक्षाविद पेंटिंग सहित अपग्रेड किया गया तथा जिलें में इस वर्ष 150 आंगनबाड़ी केन्दों को अपग्रेड किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि कामकाजी माताओं एवं महिलाओं के लिए यह अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि डे–केयर सेंटर में बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण, पौष्टिक आहार, खेल–कूद की सामग्री तथा प्रारंभिक शिक्षा की गतिविधियां नियमित रूप से सुनिश्चित की जाएं।

जिलाधिकारी ने साफ–सफाई एवं सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही, प्रशिक्षित स्टाफ द्वारा बच्चों की देखभाल सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से कार्यरत माताओं को अपने दायित्वों के निर्वहन में सहूलियत मिलेगी तथा बच्चों के समुचित विकास में भी मदद मिलेगी।

शिक्षा विभाग में चतुर्थ श्रेणी के 2364 पदों पर पर होगी भर्ती

देहरादून।शिक्षा विभाग के कार्यालयों और स्कूलों में खाली पड़े 2364 चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों के पदों जल्द ही भर्ती की जाएगी। आउटसोर्स से होने वाली इन नियुक्तियों में 15 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने कहा कि इसमें स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि सरकार शिक्षा विभाग में बुनियादी ढांचे के साथ ही मानव संसाधन उपलब्ध कराने में जुटी है। इसी कड़ी में सरकार ने विभाग के विभिन्न कार्यालयों और विद्यालयों में सृजित चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों के मृत संवर्ग के 2364 रिक्त पदों को आउटसोर्स के पदों में परिवर्तित करने को मंजूरी दी है। इसका शासनादेश भी कर दिया गया है। इससे हर स्कूल में एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति सुनिश्चित की जाएगी।

उत्तराखंड को 20 हजार करोड़ का विशेष राहत पैकेज दे केंद्र

– भविष्य की चुनौतियों के लिए विशेषज्ञ टीमों की तैनाती की भी मांग

देहरादून,प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उत्तराखंड के लिए 20 हजार करोड़ का विशेष राहत पैकेज देने की मांग की है। इसके साथ ही भविष्य की चुनौतियों के लिए विशेषज्ञ टीमों की तैनाती की भी मांग की है। उन्होंने उत्तराखंड के मौजूदा हालात को देखते हुए इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की है। माहरा ने अपने पत्र में कहा कि धामी सरकार ने केंद्र सरकार से केवल 5,700 करोड़ मांगे हैं, जबकि अकेले जोशीमठ के पुनर्निर्माण में लगभग 6हजार करोड़ की आवश्यकता है। उन्होंने पिछले वर्ष की जोशीमठ आपदा का उल्लेख करते हुए कहा कि इतनी बड़ी राशि सिर्फ एक क्षेत्र के लिए ही जरूरी है। माहरा ने राज्य के अन्य आपदा प्रभावित इलाकों का भी जिक्रकिया, जहां लोगों को अभी तक कोई राहत नहीं मिली है। इसमें कर्णप्रयाग के बहुगुणा ग्राम में 35 मकानों के क्षतिग्रस्त होने, गोपेश्वर और नैनीताल (बलिया नाला क्षेत्र) में लगातार भूस्खलन, खटिया, खाती गांव, भराड़ी, सौंग और धारचूला में आई आपदाओं का जिक्रकरते हुए आर्थिक सहायता की मांग की है। माहरा ने कहा कि आकलन के लिए टीम भेजने के बजाय केन्द्र और राज्य सरकार को वैज्ञानिकों, भूवैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की टीमें भेजनी चाहिए। ये टीमें आने वाले समय में संभावित आपदाओं का आकलन कर उत्तराखंड को तैयार करने की ठोस रूपरेखा प्रस्तुत कर सकती हैं।

वयोश्री योजना में निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण के लिए लाभार्थी चयन हेतु लगेंगे शिविर

देहरादून। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित वरिष्ठ नागरिकों हेतु वयोश्री योजनान्तर्गत (उम्र 60 वर्ष से अधिक) भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम, कानपुर एवं जनपद में समाज कल्याण विभाग के सहयोग से पहले चरण में निम्नलिखित स्थानों पर वयोश्री योजनान्तर्गत निःशुल्क सहायक उपकरण चिन्हांकन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों के क्रम में शिविरों के आयोजन हेतु रोस्टर निर्धारित करते हुए नोडल अधिकारी नामित किए गए है। जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल ने बताया कि 10 सिंतबर को पार्षद कार्यालय निकट शिव मंदिर, हर्रावाला, 11 सिंतबर को शिव शक्ति पंचायती मंदिर, नथुवावाला, देहरादून, 12 सिंतबर को छट पार्क प्रांगण, ब्रह्मपुरी देहरादून और 13 सिंतबर को सूर्या फार्मा, बद्रीपुर देहरादून में शिविर आयोजित किए जाएंगे। चिन्हांकन शिविरों के आयोजन के पश्चात् चयनित बृद्धजनों को ''सेवा पर्व'' समारोह मे 17 सितम्बर, 2025 को स्थान लार्ड वेंकटेश्वर वैडिंग प्वाइंट, सुभाष रोड, समीप–सचिवालय देहरादून मे (समय प्रातः 11 बजे से) सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा। वितरण शिविर मे वृद्धजनों को लाने एवं वापस छोडने हेतु टैक्सी/बस वाहन की व्यवस्था तथा शिविर मे सूक्ष्म जलपान, भोजन (भोजन, जलपान की व्यवस्था महिला समूह एनआरएलएम) आदि की व्यवस्था की जाएगी। शिविर मे समस्त व्यवस्थाए भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी देहरादून द्वारा जाएगी। जनपद स्तर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया जाता है। जिलाधिकारी ने वयोश्री शिविर की समस्त व्यवस्थायें एल्मिकों के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। भारत सरकार की वयोश्री योजनान्तर्गत वृद्धजन (60 वर्ष से अधिक) को आधार कार्ड व सम्बन्धित सभाषद द्वारा निर्गत मासिक आय प्रमाण पत्र रू. 15,000–00 के आधार आवश्यक सहायक उपकरणों का चिन्हांकन उक्त शिविरों में किया जाएगा।

छात्राओं को योग निद्रा विधि से अवगत कराया

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी विवि के कन्या गुरुकुल की मनोविज्ञान विभाग की छात्राओं के लिए शक्ति संस्थान में योग चिकित्सा तथा योग निद्रा से तनाव निवारण विषय पर सेमिनार हुआ। इसमें योगाचार्या गरिमा वर्धन तथा गगन ने छात्राओं को योग और सचेतन विधियों से तनाव को कम करने का प्रशिक्षण दिया।

इस मौके पर गरिमा वर्धन ने बताया कि माइंडफुलनेस (सजगता) और योग निद्रा, विश्राम और मानसिक शांति तकनीक के रूप में तनाव को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस विधि में अपने विचारों, भावनाओं और शारीरिक संवेदनाओं के प्रति जागरूक होने का अभ्यास किया जाता है।

स्वरोजगार देने वाली योजना ही बेरोजगारों के गले की फांस बनी

देहरादून। बेरोजगारों को स्वरोजगार से जोड़ने वाली सरकार की सबसे अहम सीएम सौर स्वरोगार योजना ही युवाओं के गले की फांस बन गई है। जिन विभागों पर इन योजनाओं को बढ़ाने का जिम्मा है, वही इस योजना में सबसे बड़ी दिक्कत बन गए हैं।

यूपीसीएल के डिवीजनों से लेकर उरेडा के स्तर पर बेरोजगारों को मदद करने की बजाय उन्हें नए नए तरीके से परेशान करने का आरोप लग रहे हैं। बेरोजगारों के लिए बैंक किश्त तक निकालना मुश्किल हो गया है। यूपीसीएल के स्तर पर सबसे अधिक शिकायतें टिहरी जिले से आ रही हैं। यहां पहले आवेदकों को टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट देने में परेशानी खड़ी की गई। अब उच्च क्षमता के इंवर्टर लगाने के नाम पर उरेडा के साथ मिल कर ज्वाइंट इंस्पेक्शन रिपोर्ट नहीं दी जा रही है। इससे मीटर नहीं लग पा रहे हैं। प्लांट की बिलिंग शुरू नहीं हो पा रही है। उत्पादन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सवाल खड़े किए जा रहे हैं कि 200 किलोवाट तय क्षमता से अधिक के प्लांट लगा कर अधिक बिजली उत्पादन किया जा रहा है। जबकि यूपीसीएल के साथ हुए करार में साफ है कि तय 200 किलोवाट क्षमता तक बिजली उत्पादन पर 4.64 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से भुगतान होगा। यदि इससे अधिक उत्पादन होता है, तो अतिरिक्त बिजली यूपीसीएल 2.32 रुपए प्रति यूनिट पर मिलेगी। ऐसे में 200 किलोवाट से अधिक बिजली उत्पादन होने पर सीधे यूपीसीएल को लाभ होना है। उसे बिजली कम रेट पर मिलेगी। इसके बावजूद डिवीजन अपने ही पीपीए के विरुद्ध जाकर उपभोक्ताओं के लिए रोज एक नई परेशानी खड़ी कर रहे हैं। एमडी यूपीसीएल ने भी जताई नाराजगी टिहरी जिले से आ रही शिकायतों पर एमडी यूपीसीएल अनिल कुमार ने भी सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने स्वीकार किया कि पावर परचेज एग्रीमेंट में साफ है कि यदि अधिक बिजली पैदा होगी, तो वो यूपीसीएल को 50 प्रतिशत कम रेट पर मिलेगी। इसके अतिरिक्त कोई भी उपभोक्ता क्यों 50 प्रतिशत कम रेट पर बिजली देने को महंगे प्लांट लगाएगा। इसके साथ ही सीएम सौर स्वरोजगार योजना में ग्रिड कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। अब उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की दिक्कत पेश नहीं आने दी जाएगी।

डीएम ने रायफल क्लब फंड से 6 असहाय, निर्बल लोगों को 1.35 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की

देहरादून। मुख्यमंत्री की प्रेरणा से जिलाधिकारी सविन बंसल जनपद में असहाय, अक्षम और निर्धन लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर काम कर रहे है। गरीब, असहाय और जरूरतमंदों को सरकार की योजनाओं के साथ ही जिले स्तर पर उपलब्ध संशाधनों से आर्थिक सहायता प्रदान कर उनकी विशेष जरूरतों को पूरा करने का हर संभव प्रयास कर रहे है।

जिलाधिकारी के प्रयासों से जनपद में सक्रिय राइफल क्लब फंड से मंगलवार को 06 असहाय, अक्षम और जरूरतंद लोगों को 1.35 लाख की आर्थिक सहायता चेक प्रदान किए गए। पति की अकस्मात मृत्यु के बाद धर्मपुर निवासी मीनाक्षी रतूड़ी के सामने अपने बच्चों की फीस जमा करने का आर्थिक संकट खडा हो गया था। फीस जमा न होने पर स्कूल बच्चों का नाम काट रहा था। आर्थिक और मानसिक तौर पर परेशान मीनाक्षी का मामला संज्ञान में आने पर डीएम ने असहाय महिला को राइफल क्लब से 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान कर सहारा दिया। वहीं विजय कॉलोनी निवासी कैंसर पीडित शारदा देवी और आडीपीएल ऋषिकेश निवासी दीपा देवी को इलाज के लिए 25–25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। आंखों की रोशनी खो चुके डालनवाल निवासी इजाजुद्दीन को उनकी बेटी की शादी के लिए 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता चेक प्रदान किया। आर्थिक तंगी के चलते बिजली का बिल जमा न करने पर बडोवाला आरकेडिया ग्रांट निवासी दिव्यांग जितेन्द्र के घर पर बिजली कनेक्शन काट दिया था। दिव्यांग जितेन्द्र बिजली का बिल जमा नहीं कर पा रहा था। बिजली का पुराना बकाया बिल भुगतान के लिए दिव्यांग 25 हजार की आर्थिक सहायता

पाकर दिव्यांग जितेंद्र के आंसू छलक उठे। वहीं क्लेमनटाउन निवासी दिव्यांग अब्दुल रहमान को स्वरोजगार के लिए सिलाई मशीन खरीदने के लिए 10 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की। आर्थिक सहायता मिलने पर सभी लाभार्थियों ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने कहा कि हमारा प्रयास गरीब, असहाय और अक्षम लोगों समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का है। गरीब और असहाय लोगों की समस्या का हम पूर्ण निवारण तो नहीं कर सकते है, परंतु आर्थिक सहयोग प्रदान कर उनकी समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मा0 मुख्यमंत्री के निर्देशों पर समाज के वंचित वर्ग के लोगों को चिन्हित कर उनको सरकार की योजनाओं और विभिन्न स्रोतों से उपलब्ध फंड से आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। कहा कि जिले में राइफल क्लब फंड से आज फिर 06 असहाय, गरीब एवं निर्बल लोगों को सहयोग राशि प्रदान की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि राइफल क्लब मूलभूत सुविधाओं से हटकर एक लक्सरी ट्रॉजेक्शन है। इसका उपयोग सीएसआर गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। डीएम ने समाज में असहाय लोगों को चिन्हित करने के लिए ग्राउंड स्टाफ एवं इसमें काम कर रहे अधिकारियों की भी प्रशंसा की। इस मौके पर उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे। जिलाधिकारी सविन बसंल ने प्रथम बार जिले में राइफल फंड का उपयोग किया जिससे जिले में अब तक इस फंड से धनराशि रू0 11.05 लाख की सहायता पत्रों लोगों को वितरित की गई है। इससे पूर्व इस फंड से झुग्गी बस्ती प्रेमनगर में बालवाडी मरम्मत हेतु दिव्यांग महिला को धनराशि रू0 1,30000, ग्राम फनार तहसील त्यूनी निवासी गरीब बिधवा महिला नीतू दुर्गादेवी के विद्युत बिल की धनराशि रू0 18000, अनाथ अदिति के पिता द्वारा लिए गए बैंक ऋण रू0 50000, भगत सिंह कॉलोनी निवासी शमीमा को स्वरोजगार हेतु धनराशि रू0 30,000, सरस्वती शिशु मंदिर प्रबन्धक समिति भोगपुर जहां दूर–दूर से बच्चें पढने आते हैं,

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com